



LIC's JEEVAN LAKSHYA (WITH PROFITS)

एलआईसी की जीवन लक्ष्य (लाभ सहित)

(यूआईएन: 512एन297वी01)/(UIN: 512N297V01)



(जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 द्वारा संस्थापित)/(Established by the Life Insurance Corporation Act, 1956)

भाग-ए/ PART - A

भारतीय जीवन बीमा निगम को (जिसे इसके बाद "निगम" कहा गया है) यहाँ नीचे सन्दर्भित अनुसूची में उल्लिखित बीमित व्यक्ति से एक प्रस्ताव तथा घोषणा और प्रथम प्रीमियम की प्राप्ति होने पर और उक्त प्रस्ताव तथा घोषणा और उसमें दिये गये और सन्दर्भित विवरण इस बीमा पॉलिसी के आधार पर उक्त प्रस्तावक और निगम द्वारा उसे स्वीकार किये जाने पर इस अनुसूची में निर्धारित बाद के प्रीमियमों पर विचार करते हुये और उनकी उचित प्राप्ति निगम के उस शाखा कार्यालय पर हितलाभ का बिना ब्याज के भुगतान करने के लिये यहाँ यह उस व्यक्ति या व्यक्तियों को यह पॉलिसी दी जाती है, जिन्हें उक्त पॉलिसी प्रलेखका के अनुसार यह देय होगी, लेकिन इन लाभों के सम्बन्ध में निगम की संतुष्टि के लिये इस बात का प्रमाण प्रस्तुत करने पर कि अनुसूची में निर्धारित रकम के देय होने पर उस व्यक्ति या व्यक्तियों को हक का, जो भुगतान का दावा कर रहा हो/ रहे हों, की प्रस्ताव में उल्लिखित बीमित व्यक्ति की आयु की सत्यता के बारे में देय होगा, यदि वह पहले नहीं दिया गया हो.

और इसके द्वारा यह घोषणा की जाती है कि यह बीमे की पॉलिसी इसके पृष्ठ भाग पर मुद्रित सेवा के पहलुओं से संबंधित परिभाषाओं, लाभों, स्थितियों, अन्य नियमों व शर्तों और वैधानिक प्रावधानों के अधीन होगी और यह कि निम्नांकित अनुसूची और निगम द्वारा पॉलिसी पर अंकित प्रत्येक पृष्ठांकन पॉलिसी का भाग समझा जाएगा.

THE LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA (hereinafter called "the Corporation") having received a Proposal along with Declaration and the first premium from the Proposer and the Life Assured named in the Schedule referred to herein below and the said Proposal and Declaration with the statements contained and referred to therein having been agreed to by the said Proposer and the Corporation as basis of this assurance do by this Policy agree, in consideration of and subject to the due receipt of the subsequent premiums as set out in the Schedule, to pay the Benefits, but without interest, at the Branch Office of the Corporation where this Policy is serviced to the person or persons to whom the same is payable in terms of the said Schedule, on proof to the satisfaction of the Corporation of the Benefits having become payable as set out in the Policy Document, of the title of the said person or persons claiming payment and of the correctness of the age of the Life Assured stated in the Proposal if not previously admitted.

And it is hereby declared that this Policy of Assurance shall be subject to the Definitions, Benefits, Conditions Related To Servicing Aspects, Other Terms And Conditions and Statutory Provisions printed on the back hereof and that the following Schedule and every endorsement placed on the Policy by the Corporation shall be deemed to be part of the Policy.

मंडल कार्यालय: DIVISIONAL OFFICE:			अनुसूची SCHEDULE		शाखा कार्यालय: BRANCH OFFICE:	
पॉलिसी सं.: Policy No.:			मूल बीमित राशि (₹): Basic Sum Assured (₹):		प्रीमियम की देय तिथि: Due date of premium:	
पॉलिसी आरंभ होने की तिथि: Date of Commencement of Policy:			मूल योजना के लिए किश्त प्रीमियम (₹): Instalment Premium for Basic Plan (₹):		प्रीमियम भुगतान की विधि: Mode of payment of premium:	
जोखिम आरंभ होने की तिथि: Date of Commencement of Risk:			कुल किश्त प्रीमियम (₹): Total Instalment Premium (₹):		मूल योजना के लिए अंतिम प्रीमियम भुगतान की देय तिथि: Due Date of Payment of Last premium for Basic Plan:	
योजना एवं पॉलिसी अवधि: Plan & Policy Term:			(समय-समय पर लागू सेवा कर पर अतिरिक्त शुल्क लिया जाता है.) (Service tax is charged extra as applicable from time to time)		बीमित व्यक्ति की जन्म तिथि: Date of birth of the Life Assured:	
प्रीमियम भुगतान अवधि: Premium Paying Term:					बीमित व्यक्ति की आयु: Age of the Life Assured:	
परिपक्वता की तिथि: Date of Maturity:					आयु स्वीकार की गई है या नहीं ? Whether age Admitted?	
क्र. सं. Sr. No.	चुना गया राइडर विकल्प Rider Opted	यूआईएन UIN	राइडर बीमित राशि Rider Sum Assured	राइडर के लिए किश्त प्रीमियम Instalment Premium for Rider	राइडर के लिए अंतिम किश्त की देय तिथि Due date of payment of last premium for Rider	राइडर समाप्ति की तिथि Date of rider termination
1						
2						
टिप्पणी: भाग क (लाभ) की शर्त क्र. 3 के तहत उल्लेखित राइडर्स की शर्तें लागू होंगी यदि उपरोक्त राइडर के लिए चुने गए हों. Note: Conditions of the rider(s) mentioned under condition no. 3 of Part C (Benefits) shall only apply if the above mentioned riders have been opted for.						
बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 39 के अंतर्गत नामित का नाम: Name of Nominee under Section 39 of the Insurance Act, 1938:				प्रस्ताव क्र.: Proposal No.:		
अगर नामित नाबालिग है, नियुक्त व्यक्ति का नाम: If Nominee is a minor, name of the Appointee:				प्रस्ताव की तिथि: Date of Proposal:		
				लाभ विवरण संदर्भ क्र.: Benefit Illustration Reference No.:		
प्रस्तावक का नाम और पता: / Name and address of Proposer:			बीमित व्यक्ति का नाम और पता / Name and address of Life Assured:			
लामार्थी जिसे लाभ देय हैं Beneficiary to whom Benefits payable			प्रस्तावक या बीमाधारी या बीमा अधिनियम 1938 के अनुच्छेद 38 के अंतर्गत या उसके समनुदेशित के बीमा अधिनियम 1938 के अनुच्छेद 39 के अंतर्गत या उसके नामितियों या उन प्रमाणित प्रबंधकों या प्रशासकों या अन्य विधिक प्रतिनिधियों को दिया जाएगा या जिन्हें उनकी संपदा या केवल इस पॉलिसी के अंतर्गत देय राशि के लिए भारत संघ के किसी राज्य या क्षेत्र के किसी न्यायालय से अपने प्रतिनिधि होने का प्रमाण-पत्र प्राप्त होगा. The proposer or the Life Assured or his Assignee under section 38 of Insurance Act, 1938 or Nominees under Section 39 of the Insurance Act, 1938 or proved Executors or Administrators or other Legal Representatives who should take out representation to his/ her Estate or limited to the moneys payable under this Policy from any Court of any State or Territory of the Union of India, as applicable.			
प्रीमियम चुकाने की अवधि Period during which premiums payable			अंतिम प्रीमियम के भुगतान की निर्धारित तिथि तक या बीमित व्यक्ति की मृत्यु तक Till the stipulated due date of payment of last premium or earlier death of the Life Assured.			
प्रीमियम भुगतान की तिथि Dates when premium payable			निर्धारित नियत तारीख पर On the stipulated due date in .....			

निगम की ओर से उपयुक्त शाखा कार्यालय में हस्ताक्षरित, जिसका पता अंतिम पृष्ठ पर दिया गया है और जिस पते पर इस पॉलिसी से संबंधित समस्त पत्राचार संबोधित किया जाए.

Signed on behalf of the Corporation at the above mentioned Branch Office, whose address is given on the last page and to which all communications relating to the policy should be addressed.

दिनांक : / Date :

जांच द्वारा : / Examined by :

फार्म क्र.: / Form No.:

कृते प्रमुख/वरिष्ठ/ शाखा प्रबंधक / p.Chief/Sr./Branch Manager

एजेंसी कोड Agency Code	जांचकर्ता एजेंसी का नाम Agency Name	एजेंट का मोबाईल नंबर /लैंडलाइन नंबर Agent's Mobile Number/Landline Number

## भाग-बी : परिभाषाएँ

पॉलिसी प्रलेख में उपयोग किए गए पदों/शब्दों की परिभाषाएँ निम्नानुसार हैं :

1. **आयु** वह आयु है जो पॉलिसी शुरू होने के समय पर बीमित व्यक्ति के निकटतम जन्म दिवस पर होती है सिवाय 18 वर्ष के लिए, जिसके लिए आयु पूरे किए गए वर्षों में होती है.
2. **नियुक्त** वह व्यक्ति है जिसे पॉलिसी के तहत सुरक्षित आय/लाभ देय होते हैं, यदि लाभ नामिति को देय हो जाते हैं और नामिति दावा भुगतान तिथि पर नाबालिग है.
3. **वार्षिक प्रीमियम** एक पॉलिसी वर्ष में देय प्रीमियम की कुल राशि है.
4. **समनुदेशिनी** वह व्यक्ति है जिसे समनुदेशन के आधार पर अधिकार और लाभ हस्तांतरित किए जाते हैं.
5. **समनुदेशन** किसी "समनुदेशिनी" को अधिकार और लाभों के हस्तांतरण की प्रक्रिया है. समनुदेशन समय-समय पर यथा संशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 38 के प्रावधानों के अनुसार होना चाहिए.
6. **मूल योजना पॉलिसी** का वह हिस्सा है जो मूल लाभ (यदि कोई राइडर चुने गए हो, उनके तहत सुरक्षित लाभों को छोड़कर इस पॉलिसी प्रलेख में संदर्भित लाभ) से संबंधित है.
7. **लाभार्थी** का मतलब उस व्यक्ति से है जो इस पॉलिसी के तहत लाभों को प्राप्त करने के लिए अधिकृत है. लाभार्थी प्रस्तावक/जीवन बीमित या उसका समनुदेशिनी या नामिति या प्रमाणित निष्पादक या प्रशासक या अन्य वैधानिक प्रतिनिधि, जैसा भी मामला हो, हो सकते हैं.
8. **निगम** का अर्थ जीवन बीमा अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत स्थापित भारतीय जीवन बीमा निगम से है.
9. **पॉलिसी के प्रारंभ की तिथि** इस पॉलिसी के शुरू होने की तिथि है.
10. **जोखिम के प्रारंभ होने की तिथि** वह तिथि है जिस पर निगम बीमा (सुरक्षा) के लिए पॉलिसी की अनुसूची में स्पष्ट किए गए जोखिम को स्वीकार करता है.
11. **परिपक्वता की तिथि** का तात्पर्य एक निर्धारित तिथि से है जिस पर लाभ या तो बिल्कुल या संभावित रूप से देय हो जाता है.
12. **मृत्यु लाभ** का मतलब वह लाभ है जिस पर अनुबंध की शुरुआत में सहमति हुई, और जो इस पॉलिसी प्रलेख के भाग सी में निर्दिष्ट मृत्यु के आधार पर देय है.
13. **शोधन प्रपत्र** पॉलिसीधारक/दावेदार द्वारा पॉलिसी के तहत परिपक्वता/अभ्यर्पण/मृत्यु लाभ का दावा करने के लिए भरा जाने वाला प्रपत्र है.
14. **नियत तिथि** का तात्पर्य उस निर्धारित तिथि से है जिस पर पॉलिसी प्रीमियम बकाया होने के साथ ही देय है.
15. **पूरांकन** का मतलब निगम द्वारा स्वीकृत या जारी किए गए किसी भी संशोधन या परिवर्तन को शामिल करती उन स्थितियों से है जो इस पॉलिसी के साथ संलग्न/जुड़ी हैं.
16. **अतिरिक्त प्रीमियम** का अर्थ न्यूनतम अनुबंध प्रीमियम में नहीं दिए गए किसी भी जोखिम के लिए एक शुल्क से है.
17. **अंतिम अतिरिक्त बोनस**, जिसे सीमांत बोनस भी कहा गया है, एक अतिरिक्त राशि है जो पॉलिसी के समापन पर लाभों के साथ देय है.
18. **पुरोबंध/ फोरक्लोजर नियत तिथि** पर बकाया ऋण या ऋण ब्याज के भुगतान में भूल के कारण पॉलिसी को बंद करने का एक कार्य है.
19. **फ्री लुक अवधि** इस पॉलिसी के नियमों और शर्तों की समीक्षा के लिए पॉलिसी प्रलेखों की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों की अवधि है और जहाँ पॉलिसीधारक उन किन्हीं नियमों और शर्तों से असहमत होता/होती है, तो उसके पास इस पॉलिसी को वापस लौटाने का विकल्प होता है.
20. **अनुग्रह अवधि** बिना किसी दंड/विलंब शुल्क के प्रीमियम के भुगतान के लिए नियत तिथि से बीमा कंपनी द्वारा स्वीकृत समय है, जिसके दौरान पॉलिसी को पॉलिसी के नियम और शर्तों के अनुसार बगैर किसी रुकावट के जोखिम सुरक्षा के साथ लागू समझा जाता है.

## PART - B: Definitions

The definitions of terms/words used in the policy documents are as under:

1. **Age** is the age nearest birthday of the Life Assured at the time of the commencement of the policy except for age 18 years for which the age is in completed years.
2. **Appointee** is the person to whom the proceeds/benefits secured under the Policy are payable if the benefit becomes payable to the nominee and nominee is minor as on the date of claim payment.
3. **Annualized Premium** is the total amount of premium payable in a policy year.
4. **Assignee** is the person to whom the rights and benefits are transferred by virtue of an Assignment.
5. **Assignment** is the process of transferring the rights and benefits to an "Assignee". Assignment should be in accordance with provision of Section 38 of Insurance Act, 1938 as amended from time to time.
6. **Basic Plan** is that part of the Policy referring to basic benefit (benefits referred to in this policy document excluding benefits covered under Rider(s), if opted for).
7. **Beneficiary** means the person who is entitled to receive benefits under this Policy. The Beneficiary may be proposer or Life Assured or his Assignee or Nominees or proved Executors or Administrators or other Legal Representatives as the case may be.
8. **Corporation** means the Life Insurance Corporation of India established under Section 3 of the LIC Act, 1956.
9. **Date of commencement of policy** is the start date of this Policy.
10. **Date of commencement of risk** is the date on which the Corporation accepts the risk for insurance (cover) as evidenced in the schedule of the policy.
11. **Date of Maturity** means a fixed date on which benefit may become payable either absolutely or contingently.
12. **Death Benefit** means the benefit, agreed at the inception of the contract, which is payable contingent upon death as specified in Part C of this Policy document.
13. **Discharge form** is the form to be filled by policyholder/claimant to claim the maturity / surrender / death benefit under the policy.
14. **Due Date** means a fixed date on which the policy premium is due and payable.
15. **Endorsement** means conditions attached/ affixed to this Policy incorporating any amendments or modifications agreed to or issued by the Corporation.
16. **Extra Premium** means a charge for any risk not provided for in the minimum contract premium.
17. **Final Additional Bonus**, also called as Terminal Bonus, is an additional amount payable along with the benefits on termination of the policy, if applicable.
18. **Foreclosure** is an action of closing the policy due to default in payment of outstanding loan or loan interest on due date.
19. **Free Look Period** is the period of 15 days from the date of receipt of the policy document to review the terms or conditions of this policy and where the policyholder disagrees to any of those terms and conditions, he/ she has the option to return this policy.
20. **Grace period** is the time granted by the insurer from the due date for the payment of premium, without any penalty/ late fee, during which time the policy is considered to be in force with the risk cover without any interruption as per the terms of the policy.

21. **गारंटीकृत अभ्यर्पण मूल्य/अभ्यर्पण मूल्य** की वह न्यूनतम गारंटीकृत राशि है जो पॉलिसी के अभ्यर्पण पर देय होती है।
22. **पूर्णतया चालू** का मतलब सभी बकाया प्रीमियमों का भुगतान नियत तिथि पर या उसके पहले या अनुग्रह अवधि के भीतर कर दिया गया है।
23. **आईआरडीएआई** का मतलब भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण से है जिसे पूर्व में बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीए) कहा गया है।
24. **पॉलिसी का बंद होना** पॉलिसी की वह स्थिति है जब किसी बकाया प्रीमियम का भुगतान अनुग्रह अवधि के भीतर नहीं किया गया हो।
25. **बीमित** वह व्यक्ति है जिसके जीवन पर बीमा सुरक्षा ली गई है।
26. **ऋण** पॉलिसीधारक को देय अभ्यर्पण मूल्य के विरुद्ध निगम द्वारा स्वीकृत की गई ब्याज पर मिलने वाली राशि है।
27. **परिपक्वता लाभ** का अर्थ वह लाभ है जो जीवन बीमित के परिपक्वता पर यानी इस पॉलिसी प्रलेख के भाग सी में विनिर्दिष्ट पॉलिसी अवधि के अंत में परिपक्वता तिथि तक जीवित रहने पर देय है।
28. **महत्वपूर्ण जानकारी** वह जानकारी है जो किसी पॉलिसी की प्राप्ति के समय जीवन बीमित को पहले ही ज्ञात होती है जो प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव के जोखिम अंकन को प्रभावित करती है।
29. **नाबालिग** वह व्यक्ति है जिसने उम्र के 18 वर्ष पूर्ण नहीं किए हैं।
30. **नामांकन** उस व्यक्ति को नामांकित करने की प्रक्रिया है जिसे प्रस्ताव प्रपत्र में "नामित" कहा गया है या इसके बाद किसी पृष्ठांकन द्वारा सम्मिलित/परिवर्तित किया गया है। नामांकन समय-समय पर यथा संशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 39 के प्रावधानों के अनुसार होना चाहिए।
31. **नामिती वह** व्यक्ति है जो बीमित की मृत्यु पर अनुबंध के तहत देय पॉलिसी की धनराशि को एक वैध निर्वाहन देने का अधिकार रखता है।
32. **प्रतिभागिता** करना मतलब निगम के अनुभव के आधार पर पॉलिसी, लाभ की हिस्सेदारी पाने के लिए योग्य है।
33. **प्रदत्त पॉलिसी** की वह अवस्था है जब यदि 10 वर्ष से कम प्रीमियम भुगतान अवधि वाली पॉलिसियों के लिए प्रीमियमों का भुगतान कम से कम 2 पूर्ण वर्षों के लिए किया गया हो और यदि 10 वर्षों या अधिक की प्रीमियम भुगतान अवधि वाली पॉलिसियों के लिए प्रीमियमों का भुगतान कम से कम 3 पूर्ण वर्षों के लिए किया गया हो और आगामी प्रीमियमों का भुगतान अनुग्रह अवधि के भीतर नहीं किया गया हो।
34. **पॉलिसी वर्षगाँठ का** मतलब पॉलिसी प्रारंभ होने की तिथि से एक वर्ष का समय और उसके बाद एक वर्ष बाद परिपक्वता की तिथि तक आने वाली उसी तिथि से है।
35. **पॉलिसी/पॉलिसी प्रलेख** का मतलब निगम द्वारा जारी किया पृष्ठांकन, यदि कोई हो, के साथ इस प्रलेख से है जो कि पॉलिसीधारक और निगम के बीच एक वैधानिक अनुबंध है।
36. **पॉलिसीधारक** इस पॉलिसी का वैधानिक मालिक है।
37. **पॉलिसी अवधि** पॉलिसी प्रारंभ होने की तिथि से वर्षों में वह अवधि है, जिसके दौरान पॉलिसी के नियमों और शर्तों के अनुसार संविदात्मक लाभ देय होते हैं।
38. **पॉलिसी वर्ष** दो क्रमागत पॉलिसी वर्षगाँठों के बीच की अवधि है। इस अवधि में पहला दिन शामिल है और अगली पॉलिसी वर्षगाँठ का दिन शामिल नहीं है।
39. **प्रीमियम** पॉलिसी के तहत लाभों को सुरक्षित करने के लिए इस पॉलिसी प्रलेख की अनुसूची में उल्लेखित समय-समय पर निश्चित समय पर पॉलिसीधारक द्वारा देय संविदात्मक राशि है।
40. **प्रीमियम भुगतान अवधि** का तात्पर्य वर्षों में उस अवधि से है जिसके दौरान प्रीमियम देय है।
41. **निरंतर बीमा योग्यता का साक्ष्य** पॉलिसी के पुनर्वहन का निर्णय लेने के लिए पॉलिसीधारक से माँगी जानेवाली जानकारी है। इसमें अच्छे स्वास्थ्य की घोषणा का प्रपत्र, चिकित्सा रिपोर्ट, विशेष प्रतिवेदन, इत्यादि शामिल हैं।
21. **Guaranteed Surrender Value** is the minimum guaranteed amount of Surrender Value payable on surrender of the policy.
22. **In full force** means all due premiums have been paid on or before the due date or within the grace period.
23. **IRDAI** means Insurance Regulatory and Development Authority of India earlier called Insurance Regulatory and Development Authority (IRDA).
24. **Lapse** is the status of the Policy when a due premium is not paid within the grace period.
25. **Life Assured** is the person on whose life the insurance cover has been taken.
26. **Loan** is the interest bearing amount granted by the Corporation against the surrender value payable to the policyholder.
27. **Maturity Benefit** means the benefit, which is payable on maturity i.e. at the end of the policy term as specified in Part C of this Policy Document, on life assured surviving upto the Date of Maturity.
28. **Material information** is the information already known to the Life Assured at the time of obtaining a policy which has a bearing on underwriting of the proposal / Policy submitted.
29. **Minor** is a person who has not completed 18 years of age.
30. **Nomination** is the process of nominating a person who is named as "Nominee" in the proposal form or subsequently included/changed by an endorsement. Nomination should be in accordance with provision of Section 39 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time.
31. **Nominee** is the person who has right to give a valid discharge to the policy monies as payable under the contract in case of the death of the Life Assured.
32. **Participating** means the Policy is eligible for share of profit depending upon the Corporation's experience.
33. **Paid - Up** is the status of the Policy if the premiums are paid for at least 2 full years for policies with premium paying term less than 10 years and if the premiums are paid for at least 3 full years for policies with premium paying term 10 years or more and subsequent premiums are not paid within the grace period.
34. **Policy Anniversary** means one year from the date of commencement of the Policy and the same date falling one year thereafter, till the date of maturity.
35. **Policy/ Policy Document** means this document along with endorsements, if any, issued by the Corporation which is a legal contract between the Policyholder and the Corporation.
36. **Policyholder** is the legal owner of this policy.
37. **Policy term** is the period, in years, from the Date of commencement of policy during which the contractual benefits are payable as per the terms and conditions of the policy.
38. **Policy year** is the period between two consecutive policy anniversaries. This period includes the first day and excludes the next policy anniversary day.
39. **Premium** is the contractual amount payable by the Policyholder at specified times periodically as mentioned in the schedule of this Policy Document to secure the benefits under the policy.
40. **Premium paying term** means the period, in years, during which premiums are payable.
41. **Proof of continued insurability** is the information sought from the policyholder to decide revival of the policy. This includes Form of declaration of Good Health, Medical Reports, Special Reports, etc.

42. **प्रस्तावक** वह व्यक्ति है जो जीवन बीमा प्रस्ताव को प्रस्तावित करता है।
43. **पॉलिसी के पुनरुज्जीवन** से तात्पर्य जोखिम अंकन के निर्णय के अनुसार बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम के भुगतान न होने के कारण बंद कर दी गई पॉलिसी के, पॉलिसी के नियम और शर्तों के अनुसार बकाया प्रीमियमों और यदि कोई अन्य प्रभार/विलंब शुल्क हो, उनकी प्राप्ति पर, उस समय मौजूदा बीमा अंकन निर्देशों के अनुसार पॉलिसीधारक द्वारा दी गई जानकारी, प्रलेखों और रिपोर्ट/प्रतिवेदन पर बीमित की निरंतर बीमा योग्यता के बारे में संतुष्ट होने पर, उसकेनवीनीकरण से है।
44. **पुनरुज्जीवन अवधि** पॉलिसी के बंद होने की तिथि से दो क्रमागत वर्षों की अवधि है जिस अवधि के दौरान पॉलिसीधारक उस पॉलिसी के पुनरुज्जीवन के लिए अधिकृत होता है जो कि प्रीमियम के भुगतान न होने के कारण बंद कर दी गई थी।
45. **राइडर** इस पॉलिसी के तहत निर्दिष्ट मूल लाभों के अतिरिक्त एक पूरक लाभ है।
46. **राइडर प्रीमियम** पॉलिसीधारक द्वारा यदि कोई राइडर चुना जाता है तो उसके तहत चुनी गई अतिरिक्त सुरक्षा/लाभ के लिए मूल योजना के तहत प्रीमियम के साथ देय प्रीमियम है।
47. **राइडर बीमित राशि**, वह बीमित राशि है जो यदि कोई राइडर चुना जाता है तो उसके तहत सुरक्षित किसी निर्दिष्ट घटना के घटित होने पर देय होती है।
48. **अनुसूची** पॉलिसी प्रलेख का एक हिस्सा है जो आपकी पॉलिसी का विवरण प्रदान करती है।
49. **साधारण प्रत्यावर्ती बोनस** 'लाभ सहित' पॉलिसियों के लिए निगम द्वारा जोड़े गए अधिशेष/लाभ हैं। यह निगम के अनुभव के आधार पर प्रत्येक वित्त वर्ष के अंत में घोषित प्रति हजार मूल बीमित राशि है।
50. **मृत्यु पर बीमित राशि** पॉलिसी अवधि के दौरान मृत्यु पर देय बीमित राशि है।
51. **परिपक्वता पर बीमित राशि** परिपक्वता पर देय बीमित राशि है।
52. **अभ्यर्पण** का मतलब परिपक्वता के पूर्व संपूर्ण पॉलिसी की पूर्ण वापसी/समाप्ति है।
53. **अभ्यर्पण मूल्य** का मतलब उस राशि से है जो यदि कोई हो, इस पॉलिसी के नियमों और शर्तों के अनुसार अभ्यर्पण की स्थिति में देय हो जाती है।
54. **जोखिम अंकन** जोखिम के आकलन की प्रक्रिया की व्याख्या करने के लिए उपयोग किया जाने वाला शब्द है और यह सुनिश्चित करता है कि सुरक्षा की कीमत संबंधित व्यक्ति के द्वारा सामना किए गए जोखिमों के अनुपातिक है। जोखिम अंकन के आधार पर, सुरक्षा की स्वीकृति या अस्वीकरण के साथ-साथ यदि कोई उचित प्रीमियम या संशोधित शर्त हो, उसकी उपयुक्तता पर कोई निर्णय लिया जाता है।
55. **यूआईएन** का तात्पर्य आईआरडीएआई द्वारा इस योजना को आवंटित विशिष्ट पहचान संख्या से है।
56. **निहित बोनस** प्रत्यावर्ती बोनस है, यदि कोई हो, जो पहले ही घोषित कर दिया गया होता है और पॉलिसी के साथ संबद्ध रहता है।
57. **लाभ सहित पॉलिसियों** का मतलब उन पॉलिसियों से है जो पॉलिसी के नियमों और शर्तों के अनुसार पॉलिसी अवधि के दौरान निर्मित हुए अधिशेष (लाभ) में किसी भी हिस्से के लिए अधिकृत हैं।

## **भाग-सी : लाभ**

निम्नांकित लाभ इस पॉलिसी के तहत देय हैं :

1. **परिपक्वता लाभ** : बीमित के परिपक्वता की निर्धारित तिथि पर जीवित रहने पर, बशर्ते कि पॉलिसी अब तक के प्रीमियमों के भुगतान के द्वारा पूरी तरह चालू हो, निहित साधारण प्रत्यावर्ती बोनसों और यदि कोई अंतिम अतिरिक्त बोनस हो उसके साथ परिपक्वता पर बीमित राशि देय होगी। जहाँ परिपक्वता पर बीमित राशि मूल बीमित राशि के बराबर है।
2. **मृत्यु लाभ** : परिपक्वता की निर्धारित तिथि के पहले बीमित की मृत्यु होने पर “**मृत्यु पर बीमित राशि**” की राशि के रूप में परिभाषित **मृत्यु लाभ**, यदि कोई निहित साधारण प्रत्यावर्ती बोनस और अंतिम अतिरिक्त बोनस हो, वह देय होगा, बशर्ते सभी देय प्रीमियम का भुगतान कर पॉलिसी पूरी तरह चालू हो।

42. **Proposer** is a person who proposes the life insurance proposal.
43. **Revival of a policy** means restoration of the policy, which was discontinued due to the non-payment of premium, by the insurer as per underwriting decision, upon the receipt of all the premiums due and other charges/late fee, if any, as per the terms and conditions of the policy, upon being satisfied as to the continued insurability of the insured on the basis of the information, documents and reports furnished by the policyholder, in accordance with the then existing underwriting guidelines.
44. **Revival Period** is the period of two consecutive years from the date of discontinuance of the policy, during which period the policyholder is entitled to revive the policy which was discontinued due to the non-payment of premium.
45. **Rider** is an add-on benefit in addition to basic benefits as specified under this Policy.
46. **Rider Premium** is the premium payable by the policyholder along with the premium under Basic Plan towards the additional cover/benefit opted under the rider, if opted.
47. **Rider Sum Assured** is the assured amount payable on happening of a specified event covered under the rider, if opted.
48. **Schedule** is the part of policy document that gives the details of your policy.
49. **Simple Reversionary Bonus** is the surplus/profit added by the Corporation to 'with-profits' policies. It is declared per thousand Basic Sum Assured at the end of each financial year based on the Corporation's experience.
50. **Sum Assured on Death** is the assured amount payable on death during the policy term.
51. **Sum Assured on Maturity** is the assured amount payable on Maturity.
52. **Surrender** means complete withdrawal / termination of the entire policy before maturity.
53. **Surrender Value** means an amount that becomes payable in case of surrender in accordance with the terms and condition of this policy.
54. **Underwriting** is the term used to describe the process of assessing risk and ensuring that the cost of the cover is proportionate to the risks faced by the individual concerned. Based on underwriting, a decision on acceptance or rejection of cover as well as applicability of suitable premium or modified terms, if any, is taken.
55. **UIN** means the Unique Identification Number allotted to this plan by the IRDAI.
56. **Vested Bonus** is the reversionary bonus, if any, which has already been declared and remains attached to the policy.
57. **With Profits policies** means policies which are entitled for any share in surplus (profits) emerging during the term of the policy in accordance with the terms and conditions of the policy.

## **PART – C : BENEFITS**

The following benefits are payable under this policy:

1. **Maturity Benefit:** On Life Assured surviving the stipulated Date of Maturity provided the policy is in full force by paying upto-date premiums, Sum Assured on Maturity along with vested Simple Reversionary Bonuses and Final Additional Bonus, if any, shall be payable. Where Sum Assured on Maturity is equal to Basic Sum Assured.
2. **Death Benefit:** On death of the Life Assured before the stipulated Date of Maturity provided the policy is in full force by paying upto-date premiums, Death Benefit, defined as sum of “**Sum Assured on Death**”, vested Simple Reversionary Bonuses and Final Additional Bonus, if any, shall be payable.



जहाँ “मृत्यु पर बीमित राशि” निम्न के योग के रूप में परिभाषित की गई है:

- मूल बीमित राशि के 10% के बराबर वार्षिक आय लाभ, जो जीवन बीमित की मृत्यु तिथि के साथ आने वाली या उसके बाद की पॉलिसी वर्षगांठ से, परिपक्वता की तिथि के पहले पॉलिसी वर्षगांठ तक देय होगा।
- मूल बीमित राशि के 110% के बराबर बीमित समग्र राशि, जो परिपक्वता की नियत तिथि पर देय होगी; और

यदि कोई निहित साधारण प्रत्यावर्ती बोनस और अंतिम अतिरिक्त बोनस हो, जो मृत्यु लाभ में शामिल है, परिपक्वता की तिथि पर देय होगा।

ऊपर परिभाषित मृत्यु लाभ मृत्यु की तिथि पर भुगतान की गई सभी प्रीमियमों के 105% से कम नहीं होगा।

ऊपर संदर्भित प्रीमियमों में टैक्स, अतिरिक्त प्रीमियम और यदि कोई राइडर प्रीमियम हो, शामिल नहीं है।

### 3. राइडर लाभ :

- ए. एलआईसी का दुर्घटना मृत्यु और अपंगता लाभ राइडर (युआईएन: 512बी209वी01) (यदि चुना गया): इस पॉलिसी के उद्देश्य से एक दुर्घटना को इस प्रकार परिभाषित किया गया है: “एक दुर्घटना एक अचानक, अप्रत्याशित एवं अवैच्छिक रूप से होने वाली घटना है, जो बाह्य, हिंसक एवं दिखाई देने योग्य साधनों से हो.”

एलआईसी के दुर्घटना मृत्यु और अपंगता लाभ राइडर अतिरिक्त प्रीमियम के भुगतान पर उपलब्ध है। एक चालू पॉलिसी के तहत दुर्घटना मृत्यु और अपंगता लाभ राइडर मूल योजना की प्रीमियम भुगतान अवधि के भीतर किसी भी समय चुना जा सकता है, बशर्ते कि मूल योजना की बकाया प्रीमियम भुगतान अवधि कम से कम 5 वर्षों की है। इस पॉलिसी के तहत जहाँ कहीं यह राइडर चुना गया है, इस राइडर के अंतर्गत सुरक्षित सभी लाभ पॉलिसी अवधि के दौरान उपलब्ध होंगे, बशर्ते दुर्घटना की तिथि पर पूर्ण बीमित राशि के लिए पॉलिसी चालू हो।

पॉलिसी के तहत सभी प्रीमियमों का भुगतान किए जाने के बाद इस राइडर के लिए अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान किया जाना आवश्यक नहीं होगा।

भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ उसी जीवन पर, जिस पर अग्रांकित लाभ लागू होते हैं, वैयक्तिक पॉलिसियों और साथ ही समूह पॉलिसियों के अंतर्गत ली गई सभी पॉलिसियों, जिनमें पहले से ही दुर्घटना हितलाभ वाली पॉलिसियाँ शामिल हैं, के अंतर्गत बीमा की अधिकतम समेकित सीमा किसी भी दशा में दुर्घटना हितलाभ बीमाकृत राशि रु. 100 लाख से अधिक नहीं होगी। अगर इसमें एक से अधिक पॉलिसियाँ हैं और अगर कुल दुर्घटना हितलाभ बीमाकृत राशि रु. 100 लाख से अधिक होता है, तो जारी पॉलिसियों की तिथि के क्रम में प्रथम रु. 100 लाख दुर्घटना हितलाभ बीमाकृत राशि के हितलाभ लागू होंगे।

पूर्ण बीमित राशि के लिए जब पॉलिसी लागू हो, यदि जीवन बीमित की किसी भी समय कोई दुर्घटना होती है और ऐसी चोट इसके लगने के 180 दिनों के भीतर सभी अन्य कारणों से पूरी तरह से, प्रत्यक्ष और स्वतंत्र रूप से (क) किसी स्थाई या पूर्ण अपंगता का कारण बनती है, जैसा कि इसमें बाद में परिभाषित किया गया है या (ख) जीवन बीमित की मृत्यु का कारण बनती है और यह निगम की संतुष्टि तक प्रमाणित हो जाता है, तो निगम निम्न स्थिति में सहमति देता है :

- (क) जीवन बीमित व्यक्ति की विकलांगता : (i) इस पॉलिसी के अंतर्गत 10 वर्षों में विस्तारित समान मासिक किस्तों में दुर्घटना हितलाभ बीमाकृत राशि के बराबर अतिरिक्त राशि का भुगतान। मृत्यु या परिपक्वता के कारण 10 वर्षों की उक्त अवधि की समाप्ति के पहले, यदि पॉलिसी एक दावा बन जाती है तो विकलांगता लाभ की किश्तें जो देय नहीं हुए हैं, उसका भुगतान दावे के साथ किया जाएगा और (ii) दुर्घटना लाभ बीमित राशि की सीमा तक पॉलिसी के तहत यदि कोई भविष्य की प्रभार्य प्रीमियमों (मूल योजना के अंतर्गत प्रीमियम सहित) हो, तो उनका भुगतान छोड़ दिया जाएगा। किसी अन्य राइडर, यदि चुना गया, उसके लिए प्रीमियम का भुगतान किया जाना जारी रहेगा।

प्रीमियम का छोड़ा जाना इस पॉलिसी के तहत सभी विकल्पों और इस खंड के 3.ए.(ख) द्वारा सुरक्षित लाभोंको समाप्त कर देगा, सिवाय यदि कोई ऐसा बीमा है, जैसा जीवन बीमित की सभी मौजूदा पॉलिसियों के तहत कुल दुर्घटना लाभ बीमित राशि से अधिक हो जाता है और जो पॉलिसियाँ प्रीमियमों के लगातार भुगतान के द्वारा लागू रखी जा सकती है।

Where “Sum Assured on Death” is defined as the sum of:

- Annual Income Benefit equal to 10% of the Basic Sum Assured, which shall be payable from the policy anniversary coinciding with or following the date of death of Life Assured, till the policy anniversary prior to the date of maturity.
- Assured Absolute Amount equal to 110% of Basic Sum Assured, which shall be payable on due date of maturity; and

The vested Simple Reversionary Bonuses and Final Additional Bonus, if any, included in the **Death Benefit**, shall be payable on due date of maturity.

The **Death Benefit** defined above shall not be less than 105% of all the premiums paid as on date of death.

Premiums referred above exclude tax, extra premium and rider premium(s), if any.

### 3. Rider Benefits:

- A. LIC's Accidental Death and Disability Benefit Rider (UIN: 512B209V01) (If opted): An 'Accident' for the purpose of this policy is defined as “An Accident is a sudden, unforeseen and involuntary event caused by external, violent and visible means.”

LIC's Accidental Death and Disability Benefit Rider is available on payment of additional premium. Under an inforce policy the Accidental Death and Disability Benefit Rider can be opted for at any time within the Premium Paying Term of the Basic Plan provided the outstanding Premium Paying Term of the Basic Plan is atleast 5 years. Wherever this rider has been opted for under the policy, **all the benefits covered under this Rider will be available during the policy term provided the Policy is in force for the full Sum Assured as on date of accident.**

The additional premium for this Rider will not be required to be paid after all premiums under this Policy have been paid.

The maximum aggregate limit of assurance under all policies including policies with in-built Accident Benefit taken with Life Insurance Corporation of India under individual policies as well as group policies on the same life to which following benefits apply shall not in any event exceed Rs.100 lakhs of Accident Benefit Sum Assured. If there be more policies than one and if the total Accident Benefit Sum Assured exceeds Rs.100 lakhs, the benefits shall apply to the first Rs. 100 lakhs Accident Benefit Sum Assured in order of date of policies issued.

If the Life assured is involved in an accident at any time when this Policy is in force for the full Sum Assured, and such injury shall within 180 days of its occurrence solely, directly and independently of all other causes result in (a) either permanent and total disability, as hereinafter defined or (b) death of the Life assured and the same is proved to the satisfaction of the Corporation, the Corporation agrees in case of:

- (a) **Disability to the Life Assured:** (i) Pay an additional sum equal to the Accident Benefit Sum Assured in equal monthly instalments spread over 10 years under this Policy. If the policy becomes a claim by the way of death or maturity before the expiry of the said period of 10 years, the disability benefit instalments which have not fallen due will be paid along with the claim and (ii) waive the payment of future premiums chargeable, if any, under the policy (including the premium under Basic Plan) to the extent of Accident Benefit Sum Assured. The premium for any other Rider, if opted for, shall continue to be paid.

The waiver of premium shall extinguish all options under this policy and the benefits covered by 3.A.(b) of this clause except as to such assurances, if any, as exceeds the total accident benefit sum assured under all the existing policies of the life assured and which may have been kept in force by continued payment of premiums.

यह आवश्यक है कि उपरोक्त अपंगता किसी दुर्घटना का परिणाम हो और पूर्ण व स्थाई हो. दुर्घटना संबंधी चोटें जो सभी अन्य कारणों से स्वतंत्र और इस तरह की दुर्घटना के घटित होने के 180 दिनों के भीतर ऐसी विकलांगता के रूप में परिणित होती है जिसके कारण जीवन बीमित स्थायी रूप से दैनिक जीवन की निम्नांकित में से कम से कम 4 (चार) गतिविधियों (नीचे परिभाषित) में बौद्धिक बाहरी मदद/समर्थन के कार्य करने में असमर्थ होता है जिनमें यांत्रिक उपकरण, विशेष यंत्रों या अन्य सहायक सामग्रियों का उपयोग शामिल है, तब ऐसी विकलांगता पूर्ण और स्थायी रूप में समझी जाएगी. विकलांगता को पूर्ण और स्थायी रूप में प्रमाणित करने के लिए निगम द्वारा अधिकृत चिकित्सीय जाँचकर्ता जीवन बीमित का परीक्षण करेगा.

दैनिक जीवन की गतिविधियाँ हैं :

- कपड़े – उन सभी आवश्यक कपड़ों, कृत्रिम अंगों या अन्य शल्य चिकित्सा उपकरणों, जो चिकित्सीय आवश्यकता है, को पहनने और उतारने की क्षमता
- धुलाई – सफाई और निजी स्वच्छता के एक पर्याप्त स्तर को बनाए रखने के लिए धुलाई
- भोजन – एक बार जब भोजन तैयार कर लिया जाता है और उपलब्ध कराया जाता है तब किसी थाली या कटोरी से भोजन को मुँह तक ले जाने की क्षमता
- शौच क्रिया – निजी स्वच्छता के एक संतोषजनक स्तर को बनाए रखने में शौचालय के उपयोग या अन्यथा मल-मूत्र विसर्जन संबंधी कार्यों का प्रबंधन करने की क्षमता
- गतिशीलता – निवास के सामान्य स्थान पर घर के अंदर स्तरीय सतहों पर कमरे से कमरे में जाने की क्षमता
- स्थानांतरण – एक बिस्तर से एक सीधी कुर्सी या व्हील चेयर और इसके विपरीत जाने की क्षमता

जो ऊपर उल्लेखित किया गया है उसके बावजूद, दुर्घटना संबंधी चोटें, जिनका सभी अन्य कारणों से स्वतंत्र और ऐसी दुर्घटना होने के 180 दिनों के भीतर परिणाम दोनों आँखों की पूर्ण दृष्टि में अपूरणीय क्षति के रूप में या कलाई पर या उसके ऊपर दोनों हाथों के विच्छेदन में अथवा टखने पर या उसके ऊपर दोनों पैरों के विच्छेदन में, अथवा कलाई पर या उसके ऊपर एक हाथ के और टखने पर या उसके ऊपर एक पैर के विच्छेदन में होता है, ऐसी विकलांगता का गठन करने वाली समझी जाएगी.

विकलांगता होने के बाद, जीवन बीमित के उस समय के पते और ठौर-ठिकाने के साथ उसका पूर्ण विवरण निगम के उस कार्यालय में जहाँ पॉलिसी की सेवा दी गई है, वहाँ लिखित में दिया जाना चाहिए और विकलांगता के घटित होने के 90 दिनों के भीतर निगम के सेवा कार्यालय में इसके द्वारा आवश्यक तरीके से निगम के लिए विकलांगता का संतोषजनक प्रमाण और निगम के लिए बिना किसी खर्च के दिया जाना चाहिए. सूचित किए जाने के बाद निगम द्वारा अधिकृत चिकित्सीय जाँचकर्ता द्वारा जीवन बीमित की जाँच की जाएगी और सूचना के बाद दावा की गई किसी विकलांगता के संबंध में प्रमाणित किया जाएगा. यदि आवश्यक हो, तो परिस्थितियों के आधार पर विकलांगता की निरंतरता को वैध ठहराने के लिए आगे, चिकित्सीय परीक्षण किया जा सकता है.

किसी भी समय यह पता लगने की स्थिति में कि इस खंड के तहत कोई दावा अनुचित ढंग से किया गया है, तो उस उद्देश्य के लिए निगम की सूचना की तिथि के बाद सभी बकाया प्रीमियमों का भुगतान नियत तिथि पर किया जाएगा और आगे वे सभी प्रीमियमों, जिसके लिए स्वत्व त्याग का दावा अनुचित ढंग से किया गया और अतिरिक्त बीमित राशि की सभी किस्तें, जिनका जीवन बीमित को भुगतान किया गया है, निगम को ब्याज सहित एकमुश्त राशि में समय-समय पर निगम द्वारा निर्धारित ऐसी दर पर लौटाया जाएगा, जैसे कोई विकलांगता नहीं हुई हो, जिसमें विफल होने पर

- (i) इस पॉलिसी के अंतर्गत उपलब्ध लाभ उसी प्रकार से कम हो जाएँगे, जैसे पॉलिसी उस तिथि पर बंद हुई है, जब से प्रीमियमों को माफ किया गया है या जिस पर अतिरिक्त बीमाकृत राशि की पहली किस्त का भुगतान हुआ है, जो भी जल्दी हो, और

The disability above referred to must be disability which is the result of an 'Accident' and must be total and permanent. Accidental injuries which independently of all other causes and within 180 days from the happening of such accident result in such disability due to which life assured is unable to perform at least 4 (four) of the following Activities of Daily Living (defined below) permanently without any external help/support including the use of mechanical equipment, special devices or other aids, then such disability shall be treated as Total and Permanent. Medical Examiner authorized by the Corporation shall examine the life assured to certify the disability as Total and Permanent.

The Activities of Daily Living are:

- Dressing - the ability to put on and take off all necessary garments, artificial limbs or other surgical appliances that are medically necessary
- Washing - the ability to wash to maintain an adequate level of cleanliness and personal hygiene
- Feeding - the ability to transfer food from a plate or bowl to the mouth once food has been prepared and made available
- Toileting - the ability to use the lavatory or otherwise manage bowel and bladder functions so as to maintain a satisfactory level of personal hygiene
- Mobility - the ability to move indoors from room to room on level surfaces at the normal place of residence
- Transferring - the ability to move from a bed to an upright chair or wheel chair and vice versa

Notwithstanding what is mentioned above, Accidental injuries which independently of all other causes and within 180 days from the happening of such accident, result in the irrecoverable loss of the entire sight of both eyes or in the amputation of both hands at or above the wrists or in the amputation of both feet at or above ankles, or in the amputation of one hand at or above the wrist and one foot at or above the ankle, shall also be deemed to constitute such disability.

After the happening of the disability, full particulars thereof must be given in writing to the office of the Corporation where this Policy is serviced together with the then address and whereabouts of the Life Assured and within 90 days of the happening of the disability, must be given to the servicing Office of the Corporation, in the manner required by it, proof of disability satisfactory to the Corporation and without any expense to the Corporation. Medical Examiner authorized by the Corporation shall examine the Life Assured and certify in respect of any disability claimed after the intimation. Further, medical examination may be done to validate the continuity of disability on case to case basis, if required.

In the event of it being discovered at any time that a claim under this clause has been wrongly admitted, all premiums falling due after the date of the Corporation's intimation to that effect shall be paid on due dates and further all premiums for which waiver was wrongly claimed and all instalments of additional sum assured which have been paid to the life assured shall be returned to the Corporation in one lump sum with interest, at such rate as fixed by the Corporation from time to time as if no disability had occurred, failing which

- (i) the benefits available under the policy shall stand reduced as if the policy has been discontinued as on the date from which premiums have been waived or on the payment of the first instalment of the additional sum assured, whichever is earlier and

(ii) पूर्व में भुगतान की गई अतिरिक्त बीमित राशि की किस्तें उक्त पॉलिसी के विरुद्ध एक ऋण के रूप में समझी जाएगी और समय-समय पर निगम द्वारा निर्धारित दर पर पॉलिसी की आय से ब्याज सहित काट ली जाएगी.

अतिरिक्त दुर्घटना हितलाभ बीमाकृत राशि की कोई आगामी किस्त/तें देय नहीं होंगी जिन्हें इस तरह समझा जाएगा कि कोई अपंगता नहीं हुई है.

**(ख) जीवन बीमित की मृत्यु :** मूल योजना के तहत इस पॉलिसी में मृत्यु लाभ के अतिरिक्त, दुर्घटना लाभ बीमित राशि के बराबर एक अतिरिक्त राशि देय होगी. हालाँकि, पॉलिसी को दुर्घटना के समय लागू रहना होगा, इस बात पर ध्यान दिए बगैर कि मृत्यु के समय यह लागू है या नहीं.

निगम (क) या (ख) में संदर्भित अतिरिक्त राशि देने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा, यदि जीवन बीमित व्यक्ति की अपंगता या मृत्यु :

(i) जानबूझकर स्वयं को लगाई चोट, आत्महत्या का प्रयास करने, मानसिक विक्षिप्तता या अनैतिकता से या जब जीवन बीमित मादक द्रव्य, नशीले पदार्थ या ड्रग/दवा (यदि उपचार के एक हिस्से के रूप में चिकित्सक द्वारा निर्धारित नहीं की गई हो) के प्रभाव में या सेवन से हुई हो; या

(ii) दंगों, असैनिक उपद्रवों, सशस्त्र विद्रोह, युद्ध (भले ही युद्ध की घोषणा की गई हो या न की गई हो), आक्रमण, शिकार, पर्वतारोहण, लंबी छलांग या किसी भी प्रकार की भागदौड़, पैराग्लाइडिंग या पैराशूटिंग, रोमांचक खेलों में भाग लेना के फलस्वरूप चोट लगने के कारण होगी अथवा,

(iii) जीवन बीमित व्यक्ति द्वारा आपराधिक इरादे से किसी कानून का उल्लंघन करने के परिणामस्वरूप हो; या

(iv) (अ) सशस्त्र बलों या सैन्य सेवा में जीवन बीमित के रोजगार से उत्पन्न होती है. यदि जीवन बीमित व्यक्ति तब किसी दुर्घटना से संबद्ध था, जब वह हमारे देश में प्राकृतिक आपदाओं से लड़ते समय किसी बचाव अभियान से संबद्ध था या ड्यूटी पर था यह अपवर्जन लागू नहीं है; या

(ब) अर्द्धसैनिक बलों के अलावा किसी भी पुलिस संगठन में पुलिस ड्यूटी (जो प्रशासनिक कार्य में शामिल नहीं हो) में होने से पैदा हुई हो. यह अपवर्जन वहाँ लागू नहीं है जहाँ पुलिस ड्यूटी में जुड़ने के कारण दुर्घटना मृत्यु और दुर्घटना से हुए विकलांगता लाभ को सुरक्षित करने का विकल्प, चुना गया हो; या

(v) बीमित व्यक्ति के दुर्घटनाग्रस्त होने की तिथि 180 दिनों बाद होगी.

(ii) the instalments of additional sum assured already paid shall be treated as a debt against the said policy and shall be deducted with interest at such rate as fixed by the Corporation from time to time from the proceeds of the policy.

No further instalment/s of additional Accident Benefit Sum Assured shall be payable considering as if no disability had occurred.

**(b) Death of the Life Assured:** In addition to Death Benefit under the Basic Plan, an additional sum equal to the Accident Benefit Sum Assured shall be payable under this policy. However, the policy shall have to be in force at the time of accident irrespective of whether or not it is in force at the time of death.

The Corporation shall not be liable to pay the additional sum referred in (a) or (b) above, if the disability or the death of the Life Assured shall:

(i) be caused by intentional self injury, attempted suicide, insanity or immorality or whilst the Life Assured is under the influence or consumption of intoxicating liquor, narcotic or drug (unless prescribed by doctor as a part of treatment); or

(ii) be caused by injuries resulting from taking any part in riots, civil commotion, rebellion, war (whether war be declared or not), invasion, hunting, mountaineering, steeple chasing, racing of any kind, paragliding or parachuting, taking part in adventurous sports; or

(iii) result from the Life Assured committing any criminal act with criminal intent; or

(iv) (a) arise from employment of the Life Assured in the armed forces or military service. This exclusion is not applicable if the Life Assured was involved in an accident when he is not on duty or was involved in any rescue operations while combating natural calamities in our country; or

(b) arise from being engaged in police duty (which excludes administrative assignments) in any police organization other than paramilitary forces. This exclusion is not applicable where the option to cover Accidental Death and Disability Benefit arising on accident while engaged in police duty, has been chosen; or

(v) occur after 180 days from the date of accident of the Life Assured.

**Benefits payable on surrender of Basic Plan:** This rider shall not acquire any Paid-up Value and no surrender value will be available under this rider. However, if this rider has been opted for and on surrender of the Basic Plan to which this rider is attached, provided all the due premiums in respect of this rider and Basic Plan have been paid and the Basic Plan has acquired surrender value, additional rider premium charged in respect of cover after premium paying term shall be refunded as follows:

**In case of Surrender during Premium Paying Term:** 80% \* (annualised rider premium per Rs. 1000 Accident Benefit Sum Assured - 1) \* (Accident Benefit Sum Assured/1000) \* (Number of years for which premiums in respect of this rider have been paid)

**In case of Surrender after Premium Paying Term:** 80% \* (annualised rider premium per Rs. 1000 Accident Benefit Sum Assured - 1) \* (Accident Benefit Sum Assured/1000) \* (premium paying term of the rider) \* (outstanding term for the rider in completed years / (Policy term in respect of this rider - Premium paying term of the rider)

Where annualised rider premium mentioned above excludes tax.

**मूल योजना के अभ्यर्पण पर देय लाभ :** इस राइडर में कोई प्रदत्त मूल्य नहीं होगा और इस राइडर के तहत कोई अभ्यर्पण मूल्य उपलब्ध नहीं होगा. हालाँकि, यदि यह राइडर मूल योजना, जिस पर यह संलग्न है के लिए और उसके अभ्यर्पण पर चुना गया, बशर्ते इस राइडर और मूल योजना के संबंध में सभी बकाया प्रीमियमों का भुगतान कर दिया गया है और मूल योजना ने अभ्यर्पण मूल्य प्राप्त कर लिया है, प्रीमियम भुगतान अवधि के बाद सुरक्षा के संबंध में प्रभारित अतिरिक्त राइडर प्रीमियम निम्नानुसार वापस लौटा दिया जाएगा :

**प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान अभ्यर्पण की स्थिति में :** 80% \* (वार्षिक राइडर प्रीमियम प्रति रु. 1000 दुर्घटना लाभ बीमित राशि - 1) \* (दुर्घटना लाभ बीमित राशि / 1000) \* (वर्षों की संख्या जिसके लिए इस राइडर के संबंध में प्रीमियम का भुगतान किया गया)

**प्रीमियम भुगतान अवधि के बाद अभ्यर्पण की स्थिति में :** 80% \* (वार्षिक राइडर प्रीमियम प्रति रु. 1000 दुर्घटना लाभ बीमित राशि - 1) \* (दुर्घटना लाभ बीमित राशि / 1000) \* (राइडर की प्रीमियम भुगतान अवधि) \* (पूर्ण वर्षों में राइडर के लिए बकाया अवधि / (इस राइडर के संबंध में पॉलिसी अवधि - राइडर की प्रीमियम भुगतान अवधि)

जहाँ ऊपर उल्लेखित वार्षिक राइडर प्रीमियम में कर शामिल नहीं है.

**बी. एलआईसी का न्यू टर्म एश्योरेंस राइडर  
(यूआईएन 512बी210वी01) (यदि चुना गया हो) :**

एलआईसी का न्यू टर्म एश्योरेंस राइडर पॉलिसी के आरंभ में अतिरिक्त प्रीमियम के भुगतान पर उपलब्ध है। इस राइडर के लिए अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान मूल योजना की प्रीमियम तथा किसी अन्य राइडर, यदि इसे चुना गया है, के साथ पॉलिसी की प्रीमियम अवधि के दौरान करना चाहिए। यदि इस राइडर को चुना गया है तो पॉलिसी अवधि के दौरान जीवन बीमित व्यक्ति की मृत्यु पर एक अतिरिक्त राशि जो टर्म एश्योरेंस राइडर बीमाकृत राशि के बराबर हो, देय होगी, बशर्ते राइडर की बीमा सुरक्षा प्रभावी हो।

इस राइडर के लिए अधिकतम बीमा सुरक्षा रु. 25 लाख होगी, जो भारतीय जीवन बीमा निगम से जीवन बीमित व्यक्ति द्वारा ली गई सभी विद्यमान पॉलिसियों के अंतर्गत सभी टर्म एश्योरेंस राइडरों को मिलाकर है, जिसमें विचाराधीन नया प्रस्ताव भी शामिल है। यदि पॉलिसियाँ एक से अधिक हैं और यदि कुल टर्म एश्योरेंस राइडर बीमाकृत राशि रु. 25 लाख से अधिक है, तो लाभ जारी की गई पॉलिसियों की तिथि के क्रम में प्रथम रु. 25 लाख टर्म एश्योरेंस राइडर बीमाकृत राशि के लिए ही लागू होंगे।

**मूल योजना के अभ्यर्पण पर देय लाभ :** इस राइडर में कोई प्रदत्त मूल्य नहीं होगा और इस राइडर के अंतर्गत कोई अभ्यर्पण मूल्य उपलब्ध नहीं होगा। यद्यपि यदि इस राइडर का चुनाव किया जाता है और उस मूल योजना के अभ्यर्पण पर, जिससे यह राइडर संलग्न है, तो इस शर्त पर कि इस राइडर और मूल योजना के संबंध में सभी बकाया प्रीमियमों का भुगतान कर दिया गया हो और मूल योजना में अभ्यर्पण मूल्य हो, प्रीमियम भुगतान अवधि के बाद टर्म एश्योरेंस राइडर बीमा सुरक्षा के संबंध में भारत अतिरिक्त टर्म एश्योरेंस प्रीमियम को निम्नानुसार लौटाया जाएगा :

**प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान अभ्यर्पण की स्थिति में :**  $75\% * \text{डी}^* (\text{पीपीपीटी}-\text{पीएन})^* (\text{टर्म एश्योरेंस राइडर बीमाकृत राशि} / 1000)$

**प्रीमियम भुगतान अवधि के बाद अभ्यर्पण की स्थिति में :**  $75\% * \text{पीपीपीटी}^* (\text{टर्म एश्योरेंस राइडर बीमाकृत राशि} / 1000)^* (\text{पीपीटी} / \text{एन})^* (\text{एन}-\text{टी})$

जहाँ;

पीपीपीटी = सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि के लिए सारणीबद्ध वार्षिक प्रमियम प्रति रु. 1000 / - टर्म एश्योरेंस राइडर बीमाकृत राशि, प्रारंभ पर.

पीएन = समान सारणीबद्ध वार्षिक नियमित प्रीमियम प्रति रु. 1000 / - टर्म एश्योरेंस राइडर बीमाकृत राशि जो प्रारंभ पर पॉलिसीधारक की आयु पर लागू है और राइडर की अवधि ..... वर्ष होने पर.

(उपरोक्त प्रीमियमों में सेवा कर एवं अतिरिक्त प्रीमियम, यदि कोई हो, शामिल नहीं है.)

डी = अभ्यर्पण की तिथि पर पूरे किए गए वर्षों में व्यतीत पॉलिसी अवधि

एन = राइडर की अवधि

पीपीटी = राइडर की प्रीमियम भुगतान अवधि

टी = अभ्यर्पण की तिथि पर पूरे किए गए निकटतम वर्षों में व्यतीत पॉलिसी अवधि

**4. लाभ में सहभागिता :**

इस शर्त पर कि पॉलिसी पूर्ण रूप से प्रभावी हो, इस व्यवसाय के अंतर्गत जारी पॉलिसियों के संबंध में निगम के अनुभव के आधार पर, यह पॉलिसी समय-समय पर संशोधनों के अनुसार जीवन बीमा अधिनियम 1956 के अनुच्छेद 28 के प्रावधानों के अनुसार लाभों में सहभागिता करेगी और यह पॉलिसी उन दरों और उन शर्तों पर, जो निगम द्वारा घोषित हो, साधारण प्रत्यावर्ती बोनस एवं अंतिम अतिरिक्त बोनस, यदि कोई हो, के लिए पात्र होगी। साधारण प्रत्यावर्ती बोनस की घोषणा वार्षिक रूप से प्रत्येक वित्त वर्ष के अंत में की जाती है, बशर्ते पॉलिसी पूर्ण रूप से प्रभावी हो। पॉलिसी के अंतर्गत अंतिम अतिरिक्त बोनस की घोषणा भी परिपक्वता की नियत तिथि पर की जा सकती है।

**B. LIC's New Term Assurance Rider (UIN 512B210V01) (If opted):**

LIC's New Term Assurance Rider is available at the inception of the policy on payment of additional premium. The additional premium for this Rider will need to be paid along with the premium of the Basic Plan and any other rider, if opted for, during the premium paying term of the policy. If this rider is opted for, on death of the Life Assured during the policy term an additional amount equal to Term Assurance Rider Sum Assured shall be payable provided the rider cover is in force.

The maximum cover for this rider shall be Rs. 25 lakhs taking all Term Assurance Riders under all existing policies of the Life Assured taken from Life Insurance Corporation of India including the new proposal under consideration. If there be more policies than one and if the total Term Assurance Rider Sum Assured exceeds Rs. 25 lakhs, the benefits shall apply to the first Rs. 25 lakhs Term Assurance Rider Sum Assured in order of date of policies issued.

**Benefits payable on surrender of Basic Plan:** This rider shall not acquire any Paid-up Value and no surrender value will be available under this rider. However, if this rider has been opted for and on surrender of the Basic Plan to which this rider is attached, provided all the due premiums in respect of this rider and Basic Plan have been paid and the Basic Plan has acquired surrender value, additional Term Assurance Rider premium charged in respect of Term Assurance Rider cover after premium paying term shall be refunded as follows:

**In case of Surrender during Premium Paying Term:**  $75\% * \text{d}^* (\text{Pppt}-\text{Pn})^* (\text{Term Assurance Rider Sum Assured} / 1000)$

**In case of Surrender after Premium Paying Term:**  $75\% * \text{Pppt}^* (\text{Term Assurance Rider Sum Assured} / 1000)^* (\text{ppt} / \text{n})^* (\text{n}-\text{t})$

Where;

Pppt = Tabular annual premium for the limited premium paying term per Rs. 1000/- Term Assurance Rider Sum Assured at inception

Pn = Equivalent Tabular annual Regular premium per Rs. 1000/- Term Assurance Rider Sum Assured applicable to the Life Assured's age at inception and term of the rider being n years.

(Above Premiums excludes service tax and extra premium, if any.)

d = Policy duration elapsed in completed years as on date of surrender

n = Term of the Rider

ppt = Premium paying term of the Rider

t = Policy duration elapsed in nearest completed years as on the date of surrender

**4. Participation in profits:**

Provided the policy is in full force, depending upon the Corporation's experience with regard to policies issued under this business, the policy shall participate in profits in accordance with the provisions of Section 28 of LIC Act 1956 as amended from time to time and this policy will be eligible for Simple Reversionary Bonus and Final Additional Bonus, if any, at such rates and on such terms as may be declared by the Corporation. Simple Reversionary Bonuses shall be declared annually at the end of each financial year provided the policy is in full force. Final Additional Bonus may also be declared under the policy on due date of maturity.



पूरी तरह लागू पॉलिसी के तहत मृत्यु की स्थिति में, पॉलिसी परिपक्वता की तिथि तक लाभों में भागीदारी रखना जारी रखेगी और परिपक्वता की नियत तिथि पर यदि कोई संपूर्ण निहित साधारण प्रत्यावर्ती बोनस और अंतिम अतिरिक्त बोनस हो, वह देय होगा। इसलिए, जीवन बीमित की उत्तरजीविता पर ध्यान दिए बगैर परिपक्वता की नियत तिथि पर पॉलिसी के तहत साधारण प्रत्यावर्ती बोनस और यदि कोई अंतिम अतिरिक्त बोनस हो, वह देय होंगे।

उस स्थिति में जब प्रीमियम का विधिवत भुगतान नहीं किया जाता (सिवाय लागू पॉलिसी के तहत जीवन बीमित की मृत्यु की स्थिति में), तब पॉलिसी भविष्यगत लाभों में भागीदारी करना बंद कर देगी, इस बात पर ध्यान दिए बगैर कि पॉलिसी प्रदत्त मूल्य प्राप्त कर चुकी है या नहीं। हालाँकि, अनुग्रह अवधि के दौरान मृत्यु पर पॉलिसी लागू समझी जाएगी।

ऐसी स्थिति में, जबकि पॉलिसी अभ्यर्पित की जा रही है, निहित प्रत्यावर्ती बोनस का अभ्यर्पण मूल्य, यदि कोई हो, अभ्यर्पण की तिथि पर लागू अनुसार देय होगा, जैसा कि इस पॉलिसी प्रलेख के भाग डी की शर्त 5 में निर्दिष्ट है।

अंतिम अतिरिक्त बोनस निम्नगत प्रदत्त पॉलिसियों के तहत देय नहीं होगा।

## 5. प्रीमियमों का भुगतान

(अ). देय प्रीमियम कुल किस्त प्रीमियम होगा जिसमें शामिल हैं

1. मूल योजना के लिए किस्त प्रीमियम और
2. एलआईसी की दुर्घटना में मृत्यु और विकलांगता लाभ राइडर के लिए किस्त प्रीमियम, यदि दुर्घटना में मृत्यु और विकलांगता लाभ राइडर विकल्प का प्रयोग किया गया हो।
3. एलआईसी के नए टर्म एश्योरेंस राइडर के लिए किस्त प्रीमियम, यदि के नए टर्म एश्योरेंस राइडर विकल्प का प्रयोग किया गया हो।

(ब). **अनुग्रह अवधि** : वार्षिक, अर्ध-वार्षिक तथा तिमाही प्रीमियम भुगतान के लिए एक अनुग्रह अवधि, जो कि एक माह की होगी, परन्तु 30 दिनों से कम की नहीं, की अनुमति दी जाएगी, मासिक भुगतान वाले प्रीमियम के लिए यह अवधि 15 दिनों की होगी। यदि अनुग्रह अवधि समाप्त होने से पूर्व भुगतान नहीं किया जाता है, तो पालिसी को निरस्त माना जाएगा।

यदि बीमित व्यक्ति की मृत्यु अनुग्रह अवधि के भीतर, प्रीमियम भुगतान होने से पूर्व होती है तो पॉलिसी फिर भी मान्य होगी और लाभ का भुगतान उस अदत्त प्रीमियम के साथ ही अगले वर्ष की प्रीमियम के योग की कटौती के बाद किया जाएगा।

(क). यदि पालिसी निरस्त न हुई हो और बीमित व्यक्ति की मृत्यु की स्थिति में दवा प्रस्तुत किया गया हो तथा भुगतान वार्षिक के अतिरिक्त किसी अन्य प्रकार से होता हो, तो अदत्त प्रीमियम, यदि कोई हो, जो कि पालिसी की अगली वर्षगांठ से पूर्व देय होगा, को दावे की राशि से काटा जाएगा।

## भाग-डी : सेवा के पहलू से संबंधित स्थितियाँ

1. **आयु का प्रमाण** : प्रस्ताव के अनुसार प्रीमियमों की गणना बीमित जीवन की आयु पर किए जाने पर, आयु के ऐसी आयु से अधिक पाए जाने की स्थिति में, निगम के अन्य अधिकारों और उपायों जिनमें बीमा अधिनियम, 1938 के तहत आने वाले शामिल हैं, के प्रति बिना पूर्वाग्रह के, ऐसी स्थिति में प्रीमियम, प्रविष्टि पर सही आयु के लिए बीमित मूल राशि और राइडर (राइडर्स) की बीमित राशि तिथि, यदि चुना गया है, पर गणना किए गए दर पर देय होगा और सही आयु के लिए प्रीमियमों और मूल प्रीमियमों के बीच पॉलिसी की शुरुआत से ऐसे भुगतान की तिथि तक के संचित अंतर को समय-समय पर निगम द्वारा स्थिर की गई दर पर ब्याज सहित निगम को अदा किया जाएगा। लेकिन यदि बीमित जीवन/प्रस्तावक इसमें दर्शाई गई दरों पर प्रीमियम अदा करता जाए, और उपर्युक्त संचित ऋण अदा न करे तो इस पॉलिसी के शुरुआत से उसके दावा बनने की तिथि तक सही आयु के लिए प्रीमियमों और मूल प्रीमियमों के बीच का संचित अंतर, ऐसे अंतर की प्रत्येक किस्त पर समय-समय पर निगम

In case of death under a policy which is in full force, the policy shall continue to participate in profits upto the date of maturity and the entire vested Simple Reversionary Bonuses and Final Additional Bonus, if any, shall be payable on due date of maturity. Hence, the Simple Reversionary Bonus and Final Additional Bonus, if any, shall be payable under the policy on due date of maturity irrespective of survival of the Life Assured.

In case the premiums are not duly paid (except in case of death of the Life Assured under inforce policy), the policy shall cease to participate in future profits irrespective of whether or not the policy has acquired paid up value. However, the policy shall be considered as inforce on death during the grace period.

In the event of policy being surrendered, the Surrender Value of vested Reversionary Bonuses, if any, as applicable on the date of surrender, will be payable as specified in Condition 5 of Part D of this Policy document.

Final Additional Bonus shall not be payable under reduced paid-up policies.

## 5. Payment of Premiums

(a). The premium payable will be "total instalment premium" which includes

- i. Instalment premium for Basic Plan and
- ii. Instalment premium for LIC's Accidental Death and Disability Benefit Rider, if Accidental Death and Disability Benefit Rider option has been exercised.
- iii. Instalment premium for LIC's New Term Assurance Rider, if New Term Assurance Rider option has been exercised.

(b). **Grace period**: A grace period of one month but not less than 30 days shall be allowed for payment of yearly or half-yearly or quarterly premiums and 15 days for monthly premiums. If the premium is not paid before the expiry of the days of grace, the Policy lapses.

If the death of the Life Assured occurs within the grace period but before the payment of the premium then due, the policy will still be valid and the benefits shall be paid after deductions of the said unpaid premium as also the unpaid premium/s falling due before the next anniversary of the policy.

(c). If the policy has not lapsed and the claim is admitted in case of death of Life Assured under a Policy where the mode of payment of premium is other than yearly, unpaid premium(s), if any, falling due before the next policy anniversary shall be deducted from the claim amount.

## PART - D: CONDITIONS RELATED TO SERVICING ASPECTS

1. **Proof of Age**: The premiums having been calculated on the age of the Life Assured as declared in the Proposal, in case the age is found higher than such age, without prejudice to the Corporation's other rights and remedies, including those under the Insurance Act, 1938, the premiums shall be payable in such case at the rate calculated on the Basic Sum Assured and Rider(s) Sum Assured, if opted for, for the correct age at entry, and the accumulated difference between the premiums for the correct age and the original premiums, from the commencement of the Policy upto the date of such payment shall be paid to the Corporation with interest at such rate as fixed by the Corporation from time to time. However, in case the Life Assured/Proposer continues to pay the premiums at the rates shown herein, and also does not pay the above mentioned accumulated debt, the accumulated difference between the premiums for the correct age and the original premiums from the commencement of this Policy up to the date on which the Policy becomes a claim, with interest on each instalment of

द्वारा स्थिर की गई दर पर ब्याज के साथ बढ़ेगा और इसे इस पॉलिसी पर बीमित जीवन/प्रस्तावक द्वारा देय ऋण के रूप में लिया जाएगा और पॉलिसी के दावा बनने पर देय पॉलिसी धन में से घटाया जाएगा।

यह भी प्रावधान है कि प्रवेश के समय बीमित व्यक्ति की सही आयु जो उक्त तालिका में निर्दिष्ट बीमा वर्ग या शर्तों के अधीन बीमा के लिए उसे अयोग्य बना दे तो उसे इस पॉलिसी के प्रारंभ में प्रचलित प्रथा के अनुसार निगम द्वारा प्रदान किए जाने वाले ऐसे बीमा की योजना से बीमा वर्ग या सहर्तों को परिवर्तित कर दिया जाएगा, बशर्ते कि बीमित व्यक्ति को स्वीकार हो, अन्यथा पॉलिसी निरस्त हो जाएगी।

2. **गैर-जबली नियम :** यदि कम से कम तीन पूरे वर्षों की प्रीमियम अदा किए जा चुकने के बाद और कोई आगामी प्रीमियम यथोचित अदा नहीं की गई हो तो यह पॉलिसी पूर्णरूप से निरस्त नहीं होगी, लेकिन एक प्रदत्त पॉलिसी के रूप में कायम रहेगी।

एक प्रदत्त पॉलिसी के तहत मृत्यु हो जाने की स्थिति में देय लाभ जिसे मृत्यु प्रदत्त बीमित राशि कहते हैं, निम्नलिखित के योग के समान होगा :

- (अदा की गई प्रीमियमों की संख्या/देय प्रीमियमों की कुल संख्या) x मृत्यु पर अदा की जाने वाली अनपेक्ष राशि जो अवधि पूरी होने पर देय होगी; और
- कम किया हुआ आय लाभ अर्थात् मूल बीमित राशि का 10% x (अदा की गई प्रीमियमों की संख्या/देय प्रीमियमों की कुल संख्या) पॉलिसी की वर्षगाँठ से जो बीमित जीवन की मृत्यु की तिथि के साथ संयोगात्मक हो या उसके बाद से लेकर अवधि पूरी होने की तिथि से पहले पॉलिसी की वर्षगाँठ तक देय होगा।

प्रदत्त पॉलिसी के तहत अवधि पूरी होने पर बीमित राशि को एक अवधि 'प्रदत्त बीमित राशि' नामक राशि बना दिया जाएगा और यह अवधि पूरी होने पर बीमित राशि के समान होगा\* (अदा की गई प्रीमियमों की संख्या/देय प्रीमियमों की संख्या)।

इस प्रकार घटी हुई बीमाकृत राशि की पॉलिसी उसके बाद इसमें उल्लेखित प्रीमियम के भुगतान के दायित्व से मुक्त होगी, लेकिन वह भावी लाभों में प्रतिभागिता की अधिकारी नहीं होगी। लेकिन निहित सरल प्रत्यावर्ती बोनस, यदि हैं, कम किए गए प्रदत्त पॉलिसी के साथ संलग्न रहेंगे और अवधि पूरी होने की तिथि पर ही देय होंगे।

ऊपर जो भी कहा गया है उसके बावजूद यदि इस पॉलिसी के संदर्भ में कम से कम पूरे तीन वर्षों की प्रीमियम अदा की जा चुकी है, और कोई आगामी प्रीमियम अदा नहीं की गई हो तो पहली अदा न की गई प्रीमियम की यथोचित तिथि से 6 महीनों के भीतर बीमित जीवन की मृत्यु हो जाने की स्थिति में निहित सरल प्रत्यावर्ती बोनस सहित मृत्यु पर बीमित राशि देय होगी और अंतिम अतिरिक्त बोनस, यदि है, ऐसी पॉलिसी के तहत किसी तत्काल लाभ में से (अ) मृत्यु की तिथि तक मूल पॉलिसी के लिए अदा न की गई प्रीमियम और प्रतिलाभ की तिथि तक ब्याज और (ब) मूल पॉलिसी के लिए मृत्यु की तिथि से और पॉलिसी की अगली वर्षगाँठ से पहले की देय शेष प्रीमियम को घटाने के बाद देय होगा।

ऊपर जो भी कहा गया है उसके बावजूद यदि इस पॉलिसी के संदर्भ में कम से कम पूरे पाँच वर्षों की प्रीमियम अदा की जा चुकी है, और कोई आगामी प्रीमियम अदा नहीं की गई हो तो पहली अदा न की गई प्रीमियम की यथोचित तिथि से 12 महीनों के भीतर बीमित जीवन की मृत्यु हो जाने की स्थिति में निहित सरल प्रत्यावर्ती बोनस सहित मृत्यु पर बीमित राशि और अंतिम अतिरिक्त बोनस, यदि है, ऐसी पॉलिसी के तहत किसी तत्काल लाभ में से (अ) मृत्यु की तिथि तक मूल पॉलिसी के लिए अदा न की गई प्रीमियम और प्रतिलाभ की तिथि तक ब्याज और (ब) मूल पॉलिसी के लिए मृत्यु की तिथि से और पॉलिसी की अगली वर्षगाँठ से पहले की देय शेष प्रीमियम को घटाने के बाद देय होगा।

ये प्रावधान वैकल्पिक राइडरों पर लागू नहीं होते हैं, क्योंकि उनका कोई प्रदत्त मूल्य नहीं होता है और यदि पॉलिसी कालातीत स्थिति में है तो राइडर के लाभों का लागू होना स्थगित हो जाता है।

such difference at such rate as may be fixed by the Corporation from time to time, shall accrue and be treated as a debt due by the Life Assured / Proposer against the said Policy and shall be deducted from the Policy moneys payable on the Policy becoming a claim.

Provided further that if the Life Assured's correct age at entry is such as would have made him/her uninsurable under the class or terms of assurance specified in the said Schedule hereto, the class or terms shall stand altered to such Plan of Assurance as are granted by the Corporation according to the practice in force at the commencement of this policy subject to the consent of the Policyholder, otherwise the policy will be cancelled.

2. **Non-forfeiture Regulations:** If after at least three full years' premiums have been paid and any subsequent premiums be not duly paid, this policy shall not be wholly void, but shall subsist as a paid-up policy.

The benefit payable in case of death under a paid-up policy, called "Death Paid-up Sum Assured", shall be equal to the sum of:

- [(Number of premiums paid/Total Number of premiums payable) x Absolute amount assured to be paid on death] which shall be payable on the date of maturity; and
- Reduced Income Benefit i.e. 10% of Basic Sum assured x (Number of premiums paid/Total Number of premiums payable) shall be payable from the policy anniversary coinciding with or following the date of death of Life Assured till the policy anniversary prior to date of maturity.

The Sum Assured on Maturity under paid-up policy shall be reduced to such a sum called "Maturity Paid-up Sum Assured" and shall be equal to Sum Assured on Maturity \* (no. of premiums paid / no. of premiums payable).

The policy so reduced shall thereafter be free from all liabilities for payment of the within mentioned premiums, but shall not be entitled to participate in future profits. However, the vested simple reversionary bonuses, if any, shall remain attached to the reduced paid up policy and shall be payable only on the date of maturity.

Notwithstanding what is stated above, if at least 3 full years' premiums have been paid in respect of this policy, and any subsequent premium be not duly paid, in the event of the death of the Life Assured within six months from the due date of first unpaid premium, "Sum Assured on Death" along with vested simple reversionary bonuses and final additional bonus, if any, shall be payable, after deduction of (a) the premium or premiums for the basic policy unpaid upto the date of death with interest upto the date of recovery and (b) the balance premium(s) for the basic policy falling due from the date of death and before the next policy anniversary, from any immediate benefit(s) payable under such policy.

Notwithstanding what is stated above, if at least five full years' premiums have been paid in respect of this policy, any subsequent premium be not duly paid, in the event of death of the Life Assured within 12 months from the due date of first unpaid premium, "Sum Assured on Death" along with vested simple reversionary bonuses and final additional bonus, if any, shall be payable, after deduction of (a) the premium or premiums for the basic policy unpaid upto the date of death with interest upto the date of recovery and (b) the balance premium(s) for the basic policy falling due from the date of death and before the next policy anniversary, from any immediate benefit(s) payable under such policy.

These provisions do not apply to optional riders as they do not acquire any paid up value and the rider benefits cease to apply, if policy is in lapsed condition.

**3. कालातीत पॉलिसियों का पुनरुज्जीवन :** यदि अनुग्रह के दिनों के भीतर बकाया प्रीमियम का भुगतान न होने के कारण पॉलिसी कालातीत हो जाती है, तो उसे बीमित व्यक्ति के जीवन काल के दौरान पुनरुज्जीवित किया जा सकता है, लेकिन अदा न की गई पहली प्रीमियम की तिथि से 2 क्रमागत वर्षों की अवधि के भीतर, जिसके लिए आवश्यक है कि निगम की संतुष्टि तक निरंतर बीमा योग्यता का प्रमाण जमा करवाया जाए और निगम द्वारा समय-समय पर निर्धारित की गई दरों पर ब्याज (चक्रवृद्धि अर्द्धवार्षिक) सहित प्रीमियम की समस्त बकाया राशि का भुगतान किया जाए। यद्यपि निगम इसे मूल शर्तों पर स्वीकार करने, परिवर्तित शर्तों पर स्वीकार करने या बंद हो चुकी पॉलिसी के पुनरुज्जीवन के लिए इंकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। बंद हो चुकी पॉलिसी का पुनरुज्जीवन केवल तभी प्रभावी होगा, जब इसे निगम द्वारा अनुमोदित किया जाएगा और इसके बारे में विशिष्ट रूप से जीवन बीमित व्यक्ति को बताया जाएगा।

राइडर(रें), यदि इन्हें चुना गया है, के पुनरुज्जीवन पर केवल मूल योजना के पुनरुज्जीवन के साथ ही विचार किया जाएगा, अलग से नहीं।

**4. पॉलिसी ऋण:** पॉलिसी अवधि के दौरान ऋण लिया जा सकता है, बशर्ते कम से कम तीन पूर्ण वर्षों के प्रीमियमों का भुगतान किया गया हो, जो निम्नांकित नियमों व शर्तों तथा ऐसे आगामी नियमों व शर्तों के अधीन होगा, जो निगम समय-समय पर तय कर सकता है, तथा जो ऐसी राशि के लिए पॉलिसी के अभ्यर्पण मूल्य के भीतर होगा।

1. लिए गए ऋण और उस पर देय ब्याज की वसूली के लिए जमानत के रूप में पॉलिसी पूर्णतः निगम के नाम पर समनुदेशित की जाएगी और उसके द्वारा रखी जाएगी।

2. निगम को ऋण पर ब्याज का भुगतान संबंधित ऋण स्वीकृत करते समय निगम द्वारा निर्धारित दर से छमाही चक्रवृद्धि आधार पर किया जाएगा। ब्याज का प्रथम भुगतान अगली पॉलिसी वर्षगांठ या छः माह पूर्व आने वाली तिथि, इनमें जो भी संबंधित ऋण देने के तत्काल बाद आए, पर किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही आधार पर किया जाएगा। ब्याज कम से कम छः माह के लिए लिया जाएगा;

3. उन पॉलिसियों के मामले में, जो प्रभावी नहीं हैं, यानी प्रदत्त पॉलिसियों के मामले में, यहाँ उपरोक्तानुसार नियत तिथि पर ऋण ब्याज का भुगतान बकाया होने की दशा में, निगम ऐसी पॉलिसियों को 30 दिन की सूचना अवधि के पूरा होने के बाद किसी भी समय बंद करने का अधिकारी होगा, जो निरंतर बकाया होते हैं। ऐसी पॉलिसियाँ बंद होने के बाद बंद होने की तिथि पर बकाया ऋण एवं संचित ब्याज की कटौती के बाद अभ्यर्पण मूल्य, यदि कोई है, के भुगतान की अधिकारी होंगी। यद्यपि, प्रभावी पॉलिसियों (जहाँ सभी बकाया प्रीमियम अदा की जा चुकी हों) एवं पूर्णतः प्रदत्त पॉलिसियों (जहाँ पॉलिसी की अवधि के दौरान सभी देय प्रीमियम अदा की जा चुकी हों) के मामले में, पुरोबंध की कार्यवाही लागू नहीं होगी;

4. पॉलिसी धारक की मृत्यु होने की स्थिति में, जब तक ऋण का पूर्ण भुगतान नहीं हो जाता, निगम मृत्यु की तिथि पर ऐसे बकाया ऋण (ब्याज सहित मूलधन) पर ब्याज की राशि को किसी सन्निकट लाभ(लाभों), जैसे कि पॉलिसी के अंतर्गत देय राइडर लाभ(लाभों) एवं वार्षिक आय लाभों से काटने का अधिकारी होगा। बकाया ऋण के मूलधन की राशि पॉलिसी के अंतर्गत किसी राइडर लाभ(लाभों), यदि कोई देय हो, से अन्यथा अंतिम एकमुश्त भुगतान से वसूली जाएगी।

5. या तो अभ्यर्पण या परिपक्वता द्वारा निर्गमित होने की स्थिति में, निगम ऋण या उसके किसी हिस्से की राशि जो बकाया हो, ब्याज सहित पॉलिसी धन से काटने का अधिकारी होगा।

**5. अभ्यर्पण :** पॉलिसी को पॉलिसी अवधि के दौरान किसी भी समय अभ्यर्पित किया जा सकता है, बशर्ते कम से कम तीन पूर्ण वर्षों की प्रीमियमों का भुगतान कर दिया गया हो।

गारंटीकृत अभ्यर्पण मूल्य निम्नांकित की कुल राशि होगा :

(ए). अदा की गई कुल प्रीमियमों (सेवा कर काटकर शुद्ध) का प्रतिशत, जिसमें कोई अतिरिक्त प्रीमियम एवं राइडर(रें) के लिए प्रीमियम, यदि इन्हें चुना गया है, शामिल नहीं हैं। यह प्रतिशत पॉलिसी अवधि और पॉलिसी अभ्यर्पित किए जाने वाले पॉलिसी वर्ष पर निर्भर होगा और यह अनुलग्नक – 4 के रूप में संलग्न है एवं

**3. Revival of lapsed Policies:** If the Policy has lapsed due to non payment of due premium within the days of grace, it may be revived during the life time of the Life Assured, but within a period of 2 consecutive years from the date of the first unpaid premium on submission of proof of continued insurability to the satisfaction of the Corporation and the payment of all the arrears of premium together with interest (compounding half-yearly) at such rate as fixed by the Corporation from time to time. The Corporation however, reserves the right to accept at original terms, accept with modified terms or decline the revival of a discontinued policy. The revival of the discontinued policy shall take effect only after the same is approved by the Corporation and is specifically communicated to the Life Assured.

Revival of Rider(s), if opted for, will only be considered along with the revival of the Basic Plan and not in isolation.

**4. Policy Loan:** Loan can be availed under this policy provided atleast three full years' premiums have been paid subject to the following terms and conditions, within the surrender value of the policy for such amounts and on such further terms and conditions as the Corporation may fix from time to time:

1. The Policy shall be assigned absolutely to and held by the Corporation as security for the repayment of Loan and of the interest thereon;

2. Interest on Loan shall be paid on compounding half-yearly basis to the Corporation at the rate to be specified by the Corporation at the time of taking loan under this policy. The first payment of interest is to be made on the next Policy anniversary or on the date six months before the next Policy anniversary whichever immediately follows the date on which the Loan is sanctioned and every half year thereafter. Interest is charged for a minimum period of six months;

3. In case of policies which are not in force i.e. paid-up policies, in the event of default in payment of loan interest on the due date as herein mentioned above, the Corporation would be entitled to foreclose such policies which continue to be in default, anytime after expiry of notice period of 30 days. Such policies when being foreclosed shall be entitled to payment of surrender value as on date of foreclosure, if any, after deduction of outstanding loan and accrued interest. However, in case of in force policies (where all the due premiums stand paid) and fully paid-up policies( where all premiums payable during the term of the policy stand paid), foreclosure action shall not be applicable;

4. In case of death of the policyholder, until the loan is fully repaid, the Corporation shall become entitled to deduct the interest amount on such outstanding loan (principal amount with interest) as on the date of death from any immediate benefit(s) i.e. Rider Benefit(s) payable under the policy and Annual Income Benefits. The principal amount of loan outstanding shall be recovered from any rider benefit(s) if payable under the policy else from the final lumpsum payment.

5. In case of exit either by surrender or maturity, the Corporation shall become entitled to deduct the amount of Loan or any portion thereof which is outstanding, together with all interest from the policy moneys.

**5. Surrender:** The policy can be surrendered at any time during the policy term provided atleast three full years' premiums have been paid.

The Guaranteed Surrender Value shall be sum of:

(a). Percentage of total premiums paid (net of service tax) excluding any extra premiums and premiums for rider(s), if opted for. This percentage will depend on the policy term and policy year in which the policy is surrendered and is enclosed as Annexure – 4 and



(बी). निहित साधारण प्रत्यावर्ती बोनस, यदि कोई हो, का अभ्यर्पण मूल्य, जो निहित बोनसों में निहित बोनसों पर लागू अभ्यर्पण मूल्य घटकों के गुणा के बराबर है. ये अभ्यर्पण मूल्य घटक, जो गारंटीकृत हैं, पॉलिसी अवधि और पॉलिसी अभ्यर्पित किए जाने वाले पॉलिसी वर्ष पर निर्भर होंगे और ये अनुलग्नक – 5 के रूप में संलग्न हैं.

यद्यपि, इस पॉलिसी के अंतर्गत, विशेष अभ्यर्पण मूल्य लागू होगा, यदि यह पॉलिसी धारक के लिए अधिक हितकारी हो. विशेष अभ्यर्पण मूल्य प्रदत्त बीमाकृत राशि (जैसा कि उपरोक्त भाग डी की शर्त 2 में निर्दिष्ट है) एवं निहित साधारण प्रत्यावर्ती बोनस, यदि कोई हों, का प्रतिशत होगा. इस पॉलिसी के लिए लागू ये रियायत घटक आईआरडीए के पूर्व अनुमोदन के साथ समय-समय पर बदल सकते हैं.

किसी राइडर(रों) पर कोई अभ्यर्पण मूल्य उपलब्ध नहीं होगा.

(b). Surrender value of vested simple reversionary bonuses, if any, which is equal to vested bonuses multiplied by the surrender value factors applicable to vested bonuses. These surrender value factors, which are guaranteed, will depend on the policy term and the policy year in which the policy is surrendered and is enclosed as Annexure – 5.

However, under this policy, Special Surrender Value will be payable, if it is more favorable to the Policyholder. The Special Surrender Value will be the percentage of the sum of Paid-up Sum Assured (as specified in Condition 2 of Part D above) and the vested simple reversionary bonuses, if any. These discounting factors applicable to this policy may change from time to time with prior approval of IRDAI.

No surrender value will be available on any Rider(s).

## भाग-ई

लागू नहीं

## भाग – एफ : अन्य नियम और शर्तें

1. **फ्री लुक अवधि :** फ्री लुक अवधि के दौरान यदि पॉलिसी धारक पॉलिसी के नियमों व शर्तों से संतुष्ट नहीं होता /होती है, तो वह उसकी प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर उसे निगम को आपत्तियों का कारण बताते हुए वापस कर सकता/सकती है. इसकी प्राप्ति पर, निगम द्वारा पॉलिसी निरस्त कर दी जाएगी और जमा की गई प्रीमियम की राशि बीमा सुरक्षा की अवधि के लिए आनुपातिक जोखिम प्रीमियम (मूल योजना एवं राइडर, यदि कोई हो, के लिए) तथा चिकित्सीय परीक्षणों, विशेष प्रतिवेदनों, यदि कोई हो, के लिए शुल्कों तथा स्टाम्प शुल्कों की कटौती करने के पश्चात लौटा दी जाएगी.

2. **विशेष परिस्थितियों में जल्दी:** इसमें निहित या इस पर पृष्ठांकित/एंडोर्सड किसी शर्त के उल्लंघन किए जाने की स्थिति में या उस स्थिति में जब पाया जाता है कि प्रस्ताव, निजी बयान, घोषणा और संबंधित प्रलेखों में कोई असत्य या गलत विवरण शामिल है या कोई महत्वपूर्ण जानकारी रोकी गई है, तो ऐसी प्रत्येक स्थिति में पॉलिसी अमान्य होगी और इसके आधार पर किसी भी लाभ के लिए सभी दावे समय-समय पर यथा संशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 45 के प्रावधान के अधीन होंगे.

3. **अ) समनुदेशन:** समय-समय पर यथा संशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 38 के अनुसार इस योजना के तहत समनुदेशन कीस्वीकृति दी जाती है. संदर्भ हेतु अनुच्छेद 38 के वर्तमान प्रावधान अनुलग्नक-1 में संलग्न हैं.

समनुदेशन की सूचना पंजीकरण के लिए उस स्थान पर निगम के कार्यालय में जमा की जानी चाहिए, जहाँ पॉलिसी को सेवाएँ दी जाती हैं.

**ब) नामांकन:** समय-समय पर यथा संशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 39 के अनुसार जीवन बीमा की एक पॉलिसी के धारक द्वारा नामांकन आवश्यक होता है. संदर्भ हेतु अनुच्छेद 39 के वर्तमान प्रावधान अनुलग्नक-2 में संलग्न हैं.

नामांकन के पंजीकरण में निगम कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है या इसकी वैधता या कानूनी प्रभाव पर कोई राय प्रकट नहीं करता है. नामांकन या नामांकन में परिवर्तन की सूचना पंजीकरण के लिए उस स्थान पर निगम के कार्यालय में जमा की जानी चाहिए, जहाँ पॉलिसी को सेवाएँ दी जाती हैं.

## 4. आत्महत्या :

यह पॉलिसी अमान्य हो जाएगी,

1. यदि जीवन बीमित व्यक्ति (चाहे मानसिक रूप से स्वस्थ हो या अस्वस्थ) जोखिम के प्रारंभ की तिथि से 12 माह के भीतर किसी भी समय आत्महत्या करता/करती है, तो इस पॉलिसी के अंतर्गत निगम द्वारा किसी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा, सिवाय अदा की गई प्रीमियम के 80% के, जिसमें कोई कर, अतिरिक्त प्रीमियम(में) टर्म एश्योरेंस राइडर के अतिरिक्त राइडर प्रीमियम(में), यदि कोई हों, शामिल नहीं हैं, बशर्ते पॉलिसी प्रभावी हो.

## PART E

Not Applicable.

## PART – F: OTHER TERMS AND CONDITIONS

1. **Free look period:** During the Free Look period, if the Policyholder is not satisfied with the Terms or Conditions of the policy, he/she may return the policy within 15 days from date of receipt of the same to the Corporation stating the reason of objections. On receipt of the same the Corporation shall cancel the policy and return the amount of premium deposited after deducting the **proportionate risk premium (for Basic Plan and riders, if any) for the period on cover and charges for medical examination, special reports, if any and stamp duty.**

2. **Forfeiture in Certain Events:** In case any condition herein contained or endorsed hereon be contravened or in case it is found that any untrue or incorrect statement is contained in the proposal, personal statement, declaration and connected documents or any material information is withheld, then and in every such case this policy shall be void and all claims to any benefit in virtue of this policy shall be subject to the provision of Section 45 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time.

3. **a) Assignments:** Assignment is allowed under this plan as per section 38 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time. The current provisions of Section 38 are contained in Annexure-1 of this policy document

The notice of assignment should be submitted for registration to the office of the Corporation, where the policy is serviced.

**b) Nominations:** Nomination by the holder of a policy of life assurance is required as per section 39 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time. The current provisions of Section 39 are contained in Annexure-2 of this policy document.

The notice of nomination or change of nomination should be submitted for registration to the office of the Corporation, where the policy is serviced. In registering nomination the Corporation does not accept any responsibility or express any opinion as to its validity or legal effect.

## 4. Suicide:

This policy shall be void

i. If the Life Assured (whether sane or insane) commits suicide at any time within 12 months from the date of commencement of risk, the Corporation will not entertain any claim under this policy except for 80% of the premiums paid excluding any taxes, extra premium and rider premium(s) other than term assurance rider, if any, provided the policy is in force.



2. यदि जीवन बीमित व्यक्ति (चाहे मानसिक रूप से स्वस्थ हो या अस्वस्थ) पुनरुज्जीवन की तिथि से 12 माह के भीतर आत्महत्या करता/करती है, तो मृत्यु की तिथि तक अदा की गई प्रीमियमों के 80% (जिसमें कोई कर, अतिरिक्त प्रीमियम(में) टर्म एश्योरेंस राइडर के अतिरिक्त राइडर प्रीमियम(में), यदि कोई हों, शामिल नहीं हैं) या अभ्यर्पण मूल्य में से जो भी अधिक हो, वह राशि देय होगी. निगम इस पॉलिसी के अंतर्गत किसी अन्य दावे पर विचार नहीं करेगा. यह परिच्छेद किसी बगैर प्रदत्त मूल्य वाली कालातीत पॉलिसी पर लागू नहीं होगा और ऐसी पॉलिसियों के अंतर्गत कुछ भी देय नहीं होगा.

5. **कर :** कर सेवाकर सहित, यदि कोई हो, कर कानून के अनुसार होगा और कर की दर प्रचलित दर पर लागू होगी.

पॉलिसी धारक द्वारा जब भी और जैसे भी प्रीमियमों का भुगतान किया जाता है, किस्त प्रीमियम पर, जिसमें अतिरिक्त प्रीमियम एवं राइडर प्रीमियम, यदि कोई हो, प्रचलित दरों के अनुसार कर की राशि देय होगी. प्रदत्त कर की राशि पर योजना के अंतर्गत देय लाभों की गणना के लिए विचार नहीं किया जाएगा.

6. **दावे के लिए सामान्य अपेक्षाएं :** पॉलिसीधारक की मृत्यु होने पर दावेदार द्वारा दावा प्रस्तुत करते समय देय साधारण दस्तावेजों में निगम द्वारा निर्धारित दावा फॉर्म, मूल पॉलिसी दस्तावेज, बैंक खाते में दावा राशि सीधे जमा करने हेतु नेफ्ट मैनडेट, स्वामित्व का प्रमाण, मृत्यु का प्रमाण, मृत्यु से पूर्व का वैद्यकीय उपचार, स्कूल/कॉलेज, नियोजता का प्रमाणपत्र, इनमें से जो लागू हो, निगम को संतोषप्रद रूप में पेश करना होगा. अगर पॉलिसी के अंतर्गत आयु स्वीकृत नहीं की गई है, तो बीमित व्यक्ति की आयु का प्रमाण भी प्रस्तुत करना होगा.

जहाँ पॉलिसी पूर्णावधि दावे में परिवर्तित होती है या पॉलिसी के अभ्यर्पण की दशा में, बीमित व्यक्ति द्वारा आयु प्रमाण-पत्र, अगर आयु पहले स्वीकृत नहीं हुई है, के साथ विमुक्ति पत्र और मूल पॉलिसी प्रलेख, बैंक खाते में दावे की राशि सीधे जमा करने के लिए दावाकर्ता की ओर से एनईएफटी आदेश पत्र प्रस्तुत किया जाएगा.

जहाँ पॉलिसी किसी दुर्घटनावश अपंगता/मृत्यु दावे में परिवर्तित हो, निम्नांकित सूची से लागू वक्तव्य उन परिस्थितियों की जाँच के लिए बुलाए जा सकते हैं, जिनमें मृत्यु/अपंगता हुई है :

1. प्रथम सूचना प्रतिवेदन (एफआईआर) की एक प्रमाणित प्रति.
2. पुलिस अनुसंधान प्रतिवेदन की एक प्रमाणित प्रति.
3. पंचनामे की प्रति.
4. मृत्यु के संभावित कारण को जानने के लिए पोस्ट मार्टम रिपोर्ट. अगर पोस्ट मार्टम में आँतों को संरक्षित किया गया हो, तो उसकी विषय-वस्तुओं को जानने के लिए रासायनिक विश्लेषक प्रतिवेदन, कि बीमित व्यक्ति ने शराब, नशीली दवाओं, नारकोटिक्स या जहर का सेवन तो नहीं किया था.
5. समाचार पत्र की कतरन जहाँ दुर्घटना प्रतिवेदित हुई हो.
6. अगर मृत्यु वाहन दुर्घटना के कारण हुई है, तो ड्राइविंग लाइसेंस की प्रति, यदि वाहन बीमित व्यक्ति द्वारा चलाया जा रहा था.
7. मृत्यु के बारे में सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट का अंतिम निर्णय – इससे मृत्यु का वर्गीकरण 'स्वाभाविक/आत्महत्या/दुर्घटनावश' के रूप में होगा.
8. अगर दुर्घटना को पुलिस प्राधिकारियों को प्रतिवेदित नहीं किया गया है, जैसे कुत्ता या साँप काटने से मृत्यु, तो वैकल्पिक साक्ष्य, जैसे प्रत्यक्षदर्शी साक्षी का वक्तव्य, ग्रामसेवक या शासकीय अधिकारियों का शपथ-पत्र, हमारा अपना पृष्ठताछ प्रतिवेदन, इलाज करने वाले चिकित्सक या अस्पताल के प्रतिवेदन आदि पर्याप्त हो सकते हैं.
9. अस्पताल उपचार अभिलेख, आदि.

7. **वैधानिक परिवर्तन:** इस पॉलिसी के अंतर्गत देय प्रीमियमों और हितलाभों सहित नियम और शर्तें संबंधित कानूनों और विनियमों के अनुसार परिवर्तनीय हैं.

ii. If the Life Assured (whether sane or insane) commits suicide within 12 months from date of revival, an amount which is higher of 80% of the premiums paid till the date of death (excluding any taxes, extra premium and rider premium(s) other term assurance rider, if any) or the surrender value shall be payable. The Corporation will not entertain any other claim under this policy. This clause shall not be applicable for a policy lapsed without acquiring paid-up value and nothing shall be payable under such policies.

5. **Tax:** Taxes including Service Tax, if any, shall be as per the Tax laws and the rate of tax shall be as applicable from time to time.

The amount of tax as per the prevailing rates shall be payable by the policyholder as and when the premiums are paid, on the Installment premium including extra premium and rider premium, if any. The amount of tax paid shall not be considered for the calculation of benefits payable under the plan.

6. **Normal requirements for a claim:** The normal documents which the claimant shall submit while lodging the claim in case of death of the Life Assured shall be claim forms, as prescribed by the Corporation, accompanied with original policy document, NEFT mandate from the claimant for direct credit of the claim amount to the bank account, proof of title, proof of death, medical treatment prior to the death, school/ college/ employer's certificate, whichever is applicable, to the satisfaction of the Corporation. If the age is not admitted under the policy, the proof of age of the Life assured shall also be submitted.

Where the policy results into a maturity claim or results into a survival benefits claim or in case of surrender of the policy, the Life Assured shall submit the discharge form along with the original policy document, NEFT mandate from the claimant for direct credit of the claim amount to the bank account besides proof of age, if the age is not admitted earlier.

Where policy results into a accidental disability/death claim the applicable statements from the following list may be called to ascertain circumstances under which death / disability took place:-

- 1) A certified copy of first information report (FIR).
- 2) A certified copy of police inquest report.
- 3) Copy of panchanama.
- 4) Post mortem report to know the probable cause of death. If viscera is preserved in post mortem, then chemical analyzer report to know the contents i.e. whether life assured has consumed liquor, drugs, narcotics or poison.
- 5) News paper cuttings where accident is reported.
- 6) If death is due to vehicle accident, then copy of driving licence, if life assured was driving the vehicle.
- 7) Sub-divisional magistrate final verdict about death- this will give classification of death as 'natural/suicide/accidental'
- 8) When accident is not reported to police authorities, like death due to dog or snake bite, then alternate proofs such as statement of eye witness, affidavit of gramsevak or govt. officials, our own enquiry report, attending physician or hospital reports may be sufficient.
- 9) Hospital treatment records, etc.

7. **Legislative Changes:** The Terms and Conditions including the premiums and benefits payable under this policy are subject to variations in accordance with the relevant Legislation & Regulations.

8. **लाभ चित्रण:** मानक जीवन पूर्वधारणा पर आधारित आपका अनुकूलित लाभ चित्रण इस प्रलेख के साथ संलग्न है।

## भाग-जी : वैधानिक प्रावधान

### बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 45:

बीमा अधिनियम, 1938 के अनुच्छेद 45 के प्रावधान, जैसा समय-समय पर संशोधित हो, लागू होंगे। वर्तमान प्रावधान इस पॉलिसी प्रलेख के अनुलग्नक - III में दिए गए हैं

### शिकायत निवारण यंत्रावली :

ग्राहकों की शिकायतों का निवारण करने के लिए निगम के पास शाखा/विभागीय/क्षेत्रीय/केन्द्रीय कार्यालय में शिकायत निवारण अधिकारी होते हैं। ग्राहकों की शिकायतों के त्वरित निवारण को सुनिश्चित करने के लिए निगम ने अपने कस्टमर पोर्टल (वेबसाइट), जो कि <http://www.licindia.in> है, के माध्यम से कस्टमर फ्रेंडली इंटीग्रेटेड कंप्लेंट मैनेजमेंट सिस्टम (ग्राहक मित्र एकीकृत शिकायत प्रबंधन प्रणाली) प्रस्तुत की है, जहाँ एक पंजीकृत पॉलिसी धारक अपनी किसी भी शिकायत/समस्या को सीधे पंजीकृत कर सकता है और उसकी स्थिति पर नज़र रख सकता है। ग्राहक अपनी किसी भी शिकायत के निवारण के लिए ई-मेल आईडी [co\\_crmgrv@licindia.com](mailto:co_crmgrv@licindia.com) पर संपर्क भी कर सकते हैं।

यदि ग्राहक उत्तर से संतुष्ट नहीं हो या यदि उसे 15 दिनों के भीतर हमसे कोई उत्तर प्राप्त न हो, तो ग्राहक निम्नांकित में से किसी भी प्रकार के माध्यम से आईआरडीएआई के शिकायत प्रकोष्ठ में संपर्क कर सकता/सकती है :

- टोल फ्री नंबर 155255 / 18004254732 (यानी आईआरडीएआई शिकायत कॉल सेंटर) पर फोन करके.
- [complaints@irda.gov.in](mailto:complaints@irda.gov.in) पर एक ई-मेल भेजकर.
- <http://www.igms.irda.gov.in> पर शिकायत ऑनलाइन पंजीकृत करके.
- कोरियर/पत्र के माध्यम से शिकायत भेजने के लिए पता : कंज्यूमर अफेयर्स डिपार्टमेंट, भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण, 9वाँ तल, युनाइटेड इंडिया टॉवर्स, बशीरबाग, हैदराबाद - 500029, आंध्र प्रदेश.
- 040-66789768 पर फैक्स के माध्यम से शिकायत भेजकर

मृत्यु दावा अस्वीकृति के निर्णय से संतुष्ट न होने वाले दावाकर्ताओं के पास अपने दावों की समीक्षा हेतु उन्हें ज़ोनल ऑफिस क्लेमस डिस्प्यूट रिड्रेसल कमेटी या सेन्ट्रल ऑफिस क्लेमस डिस्प्यूट रिड्रेसल कमेटी के समक्ष ले जाने का विकल्प होता है। प्रत्येक क्लेमस डिस्प्यूट रिड्रेसल कमेटी के सदस्य उच्च न्यायालय/ज़िला न्यायालय के सेवा निवृत्त न्यायाधीश होते हैं। दावों से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए, शिकायतकर्ता बीमा लोकपाल से भी संपर्क कर सकते हैं, जिनकी ओर से ग्राहकों के लिए कम खर्च पर और द्रुत गति से मध्यस्थता प्रदान की जाती है।

### परिशिष्ट - 1

#### समनुदेशन-बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा यथासंशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 38 के अनुसार

- किसी बीमा पॉलिसी का, पूरी तरह या आंशिक रूप से, चाहे विचारण के साथ या बिना विचारे, स्वयं पॉलिसी पर सिर्फ किसी पृष्ठांकन के द्वारा या किसी अलग साधन के द्वारा, दोनों ही स्थितियों में हस्तांतरणकर्ता के द्वारा या समनुदेशक या उसके विधिवत रूप से अधिकृत किए गए अभिकृता द्वारा हस्ताक्षरित और कम से कम एक गवाह द्वारा सत्यापित कर, विशेष रूप से हस्तांतरण या समनुदेशन के तथ्यों और उनके कारणों, समनुदेशन के पूर्वजों और वे शर्तें जिन पर समनुदेशन किया गया है उन्हें दर्शाते हुए हस्तांतरण या समनुदेशन किया जा सकता है।
- एक बीमा कंपनी हस्तांतरण या समनुदेशन को स्वीकार कर सकती है या उपधारा (1) के तहत किए गए किसी पृष्ठांकन पर कार्य करने से इन्कार कर सकती है, जहाँ इसके पास इसे मानने का पर्याप्त कारण है कि ऐसा हस्तांतरण या समनुदेशन वास्तविक नहीं है या पॉलिसीधारक के हित में या जनता के हित में नहीं है या यह बीमा पॉलिसी के व्यापार के उद्देश्य के लिए है।
- बीमा कंपनी पृष्ठांकन पर कार्यवाही करने से मना करने पहले ऐसे अस्वीकरण के लिए कारणों को लिखित में अभिलेखित करेगी और इसकी पॉलिसीधारक को पॉलिसीधारक के ऐसे हस्तांतरण या समनुदेशन की सूचना देने की तिथि से तीस दिनों के पहले सूचना देगी।

8. **Benefit Illustration:** Your customized Benefit Illustration based on standard life assumption is enclosed to this document.

## PART – G: STATUTORY PROVISIONS

### Section 45 Of Insurance Act, 1938:

The provision of Section 45 of the Insurance Act 1938 shall be applicable as amended from time to time. The current provision are contained in Annexure-3 of this policy document.

### Grievance Redressal Mechanism:

The Corporation has Grievance Redressal Officers at Branch/ Divisional/ Zonal/ Central Office to redress grievances of customers. For ensuring quick redressal of customer grievances the Corporation has introduced Customer friendly Integrated Complaint Management System through our Customer Portal (website) which is <http://www.licindia.in>, where a registered policy holder can directly register complaint/ grievance and track its status. Customers can also contact at e-mail id [co\\_crmgrv@licindia.com](mailto:co_crmgrv@licindia.com) for redressal of any grievances.

In case the customer is not satisfied with the response or do not receive a response from us within 15 days, then the customer may approach the Grievance Cell of the IRDAI through any of the following modes:

- Calling Toll Free Number 155255 / 18004254732 (i.e. IRDAI Grievance Call Centre)
- Sending an email to [complaints@irda.gov.in](mailto:complaints@irda.gov.in)
- Register the complaint online at <http://www.igms.irda.gov.in>
- Address for sending the complaint through courier / letter: Consumer Affairs Department, Insurance Regulatory and Development Authority of India, 9th Floor, United India Towers, Basheerbagh, Hyderabad – 500 029, Andhra Pradesh.
- Sending the complaint by Fax to 040-66789768

Claimants not satisfied with the decision of death claim repudiation have the option of referring their cases for review to Zonal Office Claims Dispute Redressal Committee or Central Office Claims Dispute Redressal Committee. A retired High Court/ District Court Judge is member of each of the Claims Dispute Redressal Committees. For redressal of Claims related grievances, claimants can also Insurance Ombudsman who provides for low cost and speedy arbitration to customers.

### Annexure - 1

#### Assignment - As per Section 38 of the Insurance Act 1938, as amended by the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015

- A transfer or assignment of a policy of insurance, wholly or in part, whether with or without consideration, may be made only by an endorsement upon the policy itself or by a separate instrument, signed in either case by the transferor or by the assignor or his duly authorised agent and attested by at least one witness, specifically setting forth the fact of transfer or assignment and the reasons thereof, the antecedents of the assignee and the terms on which the assignment is made.
- An insurer may, accept the transfer or assignment, or decline to act upon any endorsement made under sub-section(1), where it has sufficient reason to believe that such transfer or assignment is not bonafide or is not in the interest of the policy-holder or in public interest or is for the purpose of trading of insurance policy.
- The insurer shall, before refusing to act upon the endorsement, record in writing the reasons for such refusal and communicate the same to the policy-holder not later than thirty days from the date of the policy-holder giving notice of such transfer or assignment.

4. एक बीमा कंपनी द्वारा ऐसे हस्तांतरण या समनुदेशन पर कार्यवाही करने से इन्कार करने के निर्णय से पीड़ित कोई व्यक्ति बीमा कंपनी से ऐसे इन्कार के लिए कारणों को शामिल करती सूचना की प्राप्ति की तिथि से 30 दिनों की किसी अवधि के भीतर ऐसे दावों को प्राधिकरण के सम्मुख पेश कर सकती है।

5. उपधारा (2) में प्रावधानों के अधीन, हस्तांतरण या समनुदेशन ऐसे पृष्ठांकन या विधिवत सत्यापित उपाय के निष्पादन पर पूर्ण और प्रभावी होगा किंतु सिवाय, जहाँ जहाँ हस्तांतरण या समनुदेशन बीमा कंपनी के पक्ष में है, यह यथा बीमा कंपनी के विरुद्ध कार्यशील नहीं होगा, और हस्तांतरिती या समनुदेशिती, या उसके वैधानिक प्रतिनिधि को ऐसी पॉलिसी या उसके द्वारा सुरक्षित राशि के लिए अभियोग चलाने का कोई अधिकार नहीं देगा, जब तक कि हस्तांतरण या समनुदेशन की लिखित में कोई सूचना और या तो उक्त पृष्ठांकन या स्वयं लेखपत्र अथवा हस्तांतरणकर्ता और हस्तांतरिती दोनों के द्वारा या उनके विधिवत प्राधिकृत अभिकर्ताओं के द्वारा उसके सत्य होने की एक प्रमाणित प्रति बीमा कंपनी को प्रदान कर दी गई है।

बशर्ते जहाँ बीमा कंपनी भारत में व्यवसाय के एक या अधिक स्थानों का प्रबंधन करती है, ऐसी सूचना सिर्फ उस स्थान पर प्रदान की जाएगी जहाँ पॉलिसी की सेवा दी जा रही है।

6. वह तिथि जिस पर उपधारा (5) में संदर्भित सूचना बीमा कंपनी को सुपुर्द की गई पॉलिसी में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के बीच किसी हस्तांतरण या समनुदेशन के तहत सभी दावों की प्राथमिकता को विनियमित करेगी, और जहाँ जहाँ हस्तांतरण या समनुदेशन के एक से अधिक उपकरण हो तो ऐसे उपकरणों के तहत दावों की प्राथमिकता उस क्रम में, जिसमें उपधारा (5) में संदर्भित सूचनाओं का वितरण किया गया, नियंत्रित की जाएगी :

बशर्ते कि भुगतान की प्राथमिकता को लेकर यदि समनुदेशितियों के बीच कोई विवाद उठता है, तो विवाद प्राधिकरण के पास भेज दिया जाएगा।

7. उपधारा (5) में संदर्भित सूचना की प्राप्ति पर, बीमा कंपनी उनकी तिथि के साथ ऐसे हस्तांतरण या समनुदेशन के तथ्यों को व हस्तांतरिती या समनुदेशिती के नाम को अभिलेखित कर लेगी और सूचना देने वाले व्यक्ति के अनुरोध पर या यदि हस्तांतरिती या समनुदेशिती, ऐसे शुल्क के भुगतान पर जैसा भी विनियमों द्वारा निर्दिष्ट किया गया हो, ऐसी सूचना की प्राप्ति की लिखित स्वीकृति प्रदान करते हो; और कोई भी ऐसी स्वीकृति बीमा कंपनी के विरुद्ध निर्णायक साक्ष्य होगी कि उसने वह सूचना जिससे कि ऐसी स्वीकृति संबंधित है, विधिवत प्राप्त की है।

8. हस्तांतरण या समनुदेशन के नियमों और शर्तों के अधीन, बीमा कंपनी उपधारा (5) में संदर्भित सूचना की प्राप्ति की तिथि से सूचना में निरपेक्ष हस्तांतरिती या समनुदेशिती के रूप में नामित हस्तांतरिती या समनुदेशिती जो पॉलिसी तहत लाभ पाने के हकदार हैं, उनकी पहचान करेगी और ऐसा व्यक्ति उन सभी दायित्वों और इक्विटी के लिए जिम्मेदार होगा जिसके लिए हस्तांतरणकर्ता या समनुदेशक हस्तांतरण या समनुदेशन की तिथि पर जिम्मेदार था और पॉलिसी के संबंध में कानूनी कार्यवाही कर सकता है, पॉलिसी के तहत ऋण प्राप्त कर सकता है या हस्तांतरणकर्ता या समनुदेशक की सहमति प्राप्त किए बगैर या उसे ऐसी कार्यवाही के लिए एक पक्ष बनाते हुए पॉलिसी छोड़ सकता है।

स्पष्टीकरण – सिवाय जहाँ उपधारा (1) में संदर्भित पृष्ठांकन स्पष्ट रूप से सूचित करता है कि समनुदेशन या हस्तांतरण इसके तहत उपधारा (10) के संबंध में प्रतिबंधात्मक है, प्रत्येक समनुदेशन या हस्तांतरण एक निरपेक्ष समनुदेशन या हस्तांतरण समझा जाएगा और समनुदेशिती या हस्तांतरिती, जैसा भी मामला हो, क्रमशः निरपेक्ष समनुदेशिती या हस्तांतरिती समझा जाएगा।

9. बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 की शुरुआत के पहले प्रभावित समनुदेशन या हस्तांतरण के तहत जीवन बीमा की किसी पॉलिसी के एक समनुदेशिती या हस्तांतरिती के कोई अधिकार और उपचार इस धारा के प्रावधानों के द्वारा प्रभावित नहीं होंगे।

10. किसी कानून या ग्राहक के साथ कानून की शक्ति होने के बावजूद इसके विपरीत, किसी व्यक्ति के पक्ष में एक समनुदेशन किया गया इस स्थिति पर कि क. पॉलिसी के तहत आय पॉलिसीधारक या नामिति या नामितियों को देय होगी, उस स्थिति में जब या तो समनुदेशिती या हस्तांतरिती की मृत्यु बीमित के पहले हो जाती है; या

ख. पॉलिसी अवधि में जीवित रहने वाला बीमित वैध होगा :

बशर्ते कि एक प्रतिबंधात्मक समनुदेशिती पॉलिसी पर कोई ऋण प्राप्त करने, कोई पॉलिसी छोड़ने के लिए अधिकृत नहीं किया जाएगा।

4. Any person aggrieved by the decision of an insurer to decline to act upon such transfer or assignment may within a period of thirty days from the date of receipt of the communication from the insurer containing reasons for such refusal, prefer a claim to the Authority.

5. Subject to the provisions in sub-section (2), the transfer or assignment shall be complete and effectual upon the execution of such endorsement or instrument duly attested but except, where the transfer or assignment is in favour of the insurer, shall not be operative as against an insurer, and shall not confer upon the transferee or assignee, or his legal representative, any right to sue for the amount of such policy or the moneys secured thereby until a notice in writing of the transfer or assignment and either the said endorsement or instrument itself or a copy thereof certified to be correct by both transferor and transferee or their duly authorised agents have been delivered to the insurer.

Provided that where the insurer maintains one or more places of business in India, such notice shall be delivered only at the place where the policy is being serviced.

6. The date on which the notice referred to in sub-section (5) is delivered to the insurer shall regulate the priority of all claims under a transfer or assignment as between persons interested in the policy; and where there is more than one instrument of transfer or assignment the priority of the claims under such instruments shall be governed by the order in which notices referred to in sub-section (5) are delivered:

Provided that if any dispute as to priority of payment arises as between assignees, the dispute shall be referred to the Authority.

7. Upon the receipt of the notice referred to in sub-section (5), the insurer shall record the fact of such transfer or assignment together with the date thereof and the name of the transferee or the assignee and shall, on the request of the person by whom the notice was given, or if the transferee or assignee, on payment of such fee as may be specified by the regulations, grant a written acknowledgement of the receipt of such notice; and any such acknowledgement shall be conclusive evidence against the insurer that he has duly received the notice to which such acknowledgment relates.

8. Subject to the terms and conditions of the transfer or assignment, the insurer shall, from the date of the receipt of the notice referred to in sub-section (5), recognize the transferee or assignee named in the notice as the absolute transferee or assignee entitled to benefit under the policy, and such person shall be subject to all liabilities and equities to which the transferor or assignor was subject at the date of the transfer or assignment and may institute any proceedings in relation to the policy, obtain a loan under the policy or surrender the policy without obtaining the consent of the transferor or assignor or making him a party to such proceedings.

Explanation – Except where the endorsement referred to in sub-section (1) expressly indicates that the assignment or transfer is conditional in terms of subsection (10) hereunder, every assignment or transfer shall be deemed to be an absolute assignment or transfer and the assignee or transferee, as the case may be, shall be deemed to be the absolute assignee or transferee respectively.

9. Any rights and remedies of an assignee or transferee of a policy of life insurance under an assignment or transfer effected prior to the commencement of the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015 shall not be affected by provisions of this section.

10. Notwithstanding any law or custom having the force of law to the contrary, an assignment in favour of a person made upon the condition that

a. The proceeds under the policy shall become payable to the policyholder or the nominee or nominees in the event of either the assignee or transferee predeceasing the insured; or

b. The insured surviving the term of the policy, shall be valid:

Provided that a conditional assignee shall not be entitled to obtain a loan on the policy or surrender a policy.



11. उपधारा (1) के तहत बीमों की किसी पॉलिसी के आंशिक समनुदेशन या हस्तांतरण की स्थिति में, बीमा कंपनी का दायित्व आंशिक समनुदेशन या हस्तांतरण के द्वारा सुरक्षित राशि के लिए सीमित होगा और ऐसा पॉलिसीधारक इस पॉलिसी के तहत देय शेष राशि आगे समनुदेशित करने या हस्तांतर करने के लिए अधिकृत नहीं होगा।

## परिशिष्ट – 2

### नामांकन-बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा यथासंशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 39 के अनुसार

1. स्वयं के जीवन पर ली गई जीवन बीमा की पॉलिसी का एक पॉलिसी धारक, पॉलिसी को लागू करते समय या पॉलिसी के भुगतान होने के लिए देय होने से पहले किसी भी समय एक व्यक्ति या कई व्यक्तियों को नामांकित कर सकता है जिसे/जिन्हें उसकी मृत्यु हो जाने की स्थिति में पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि दी जाएगी:  
बशर्ते कि जहाँ कोई भी नामिति नाबालिग है, यह पॉलिसीधारक के लिए वैध होगा कि वह बीमा कंपनी द्वारा निर्धारित तरीके के अनुसार किसी भी व्यक्ति को नियुक्त करे, जो नामिति के अल्पवयस्क होने की अवधि के दौरान पॉलिसीधारक की मृत्यु हो जाने की स्थिति में पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि को प्राप्त करे।
2. ऐसे किसी नामांकन को प्रभावी होने के लिए, जब तक कि पॉलिसी के व्याख्यान में ही यह शामिल न हो, उसे बीमा कंपनी को सूचित किए गए पॉलिसी पर एक पृष्ठांकन करके और उसी के द्वारा पॉलिसी से सम्बंधित अभिलेखों में पंजीकरण करके किया जाएगा और ऐसा कोई भी नामांकन पॉलिसी के भुगतान होने के लिए देय होने से पहले एक पृष्ठांकन या एक अतिरिक्त पृष्ठांकन या वसीयत द्वारा, जैसी स्थिति हो, किसी भी समय रद्द किया या बदला जा सकता है परन्तु जब तक कि बीमा कंपनी को ऐसे किसी रद्द करने या बदलाव की लिखित सूचना न सौंपी जा चुकी हो, बीमा कंपनी पॉलिसी के व्याख्यान में उल्लेखित या उसके अभिलेखों में पंजीकृत एक नामिति को ऐसा कोई भी भुगतान करने के लिए जिम्मेदार नहीं होगी जिसे उसने पॉलिसी के तहत सदाशयी किया हो।
3. बीमा कंपनी पॉलिसीधारक को एक नामांकन के पंजीकरण किए जाने या उसके रद्द या उसमें बदलाव किए जाने के बारे में एक लिखित स्वीकृति प्रस्तुत करेगी और ऐसे रद्द करने या बदलाव के पंजीकरण के लिए बीमा कंपनी विनियमों में संभवतः उल्लेखित हो, ऐसे शुल्क की माँग कर सकती है।
4. धारा 38 के अनुसार तैयार की गई एक पॉलिसी का हस्तांतरण या समनुदेशन अपने आप एक नामांकन को रद्द कर देगा:  
बशर्ते कि बीमा कंपनी, जो समनुदेशन के समय पॉलिसी को उसके अभ्यर्पण मूल्य के भीतर बंधक रखते हुए प्रदान किए गए एक ऋण के बदले में या ऋण की वापसी पर उसके पुनः-समनुदेशन के समय पॉलिसी पर जोखिम उठाती है, को एक पॉलिसी का समनुदेशन एक नामांकन को रद्द नहीं करेगा, परन्तु पॉलिसी में केवल बीमा कंपनी के हित की सीमा तक ही नामिति के अधिकारों को प्रभावित करेगा।  
बशर्ते इसके अतिरिक्त कि एक पॉलिसी का हस्तांतरण या समनुदेशन, चाहे पूरी तरह या आंशिक रूप से, जो हस्तान्तरिती या समनुदेशिती द्वारा पॉलिसीधारक को प्रस्तुत किए गए एक ऋण के बदले में हो, नामांकन को रद्द नहीं करेगा परन्तु पॉलिसी में केवल हस्तान्तरिती या समनुदेशिती, जैसी स्थिति हो, के हित की सीमा तक ही नामिति के अधिकारों को प्रभावित करेगा:  
बशर्ते यह भी कि जिस नामांकन को हस्तांतरण या समनुदेशन के फलस्वरूप स्वतः रद्द किया जा चुका है, वही नामांकन स्वतः पुनर्जीवित स्थिति हो जाएगा जब ऋण की वापसी पर, जो बीमा कंपनी को पॉलिसी के बंधक पर को छोड़ कर किया गया हो, पॉलिसी को पॉलिसीधारक के पक्ष में समनुदेशिती द्वारा पुनः-समनुदेशित या हस्तान्तरिती द्वारा पुनः-हस्तांतरित किया जाता है।
5. ऐसी स्थिति में जहाँ जिस व्यक्ति का जीवन बीमाकृत है, उसके जीवनकाल के दौरान पॉलिसी भुगतान के लिए देय हो जाती है या जहाँ नामिति की या, यदि एक से अधिक नामिति हैं, सभी नामितियों की पॉलिसी के भुगतान के लिए देय होने से पहले ही मृत्यु हो जाती है, पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि पॉलिसीधारक या उसके उत्तराधिकारियों या वैध प्रतिनिधि या एक उत्तराधिकार प्रमाणपत्रधारक, जैसी स्थिति हो, को देय होगी।
6. ऐसी स्थिति में जहाँ नामिति या यदि एक से अधिक नामिति हों, एक नामिति या नामितियाँ उस व्यक्ति की मृत्यु के बाद जीवित रहें जिसका जीवन बीमाकृत है, पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि ऐसे उत्तरजीवी या उत्तरजीवियों को देय होगी।
7. इस धारा के अन्य प्रावधानों के अधीन जहाँ स्वयं के जीवन पर बीमा की पॉलिसी का धारक अपने माता-पिता, या अपने पति / पत्नी, या अपनी संतानों, या अपने पति / पत्नी और संतानों, या इनमें से किसी एक को भी

11. In the case of the partial assignment or transfer of a policy of insurance under sub-section (1), the liability of the insurer shall be limited to the amount secured by partial assignment or transfer and such policyholder shall not be entitled to further assign or transfer the residual amount payable under the same policy.

## Annexure – 2

### Nomination - As per Section 39 of the Insurance Act 1938, as amended by the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015

1. The holder of a policy of life insurance on his own life may, when effecting the policy or at any time before the policy matures for payment, nominate the person or persons to whom the money secured by the policy shall be paid in the event of his death:  
Provided that, where any nominee is a minor, it shall be lawful for the policy holder to appoint any person in the manner laid down by the insurer, to receive the money secured by policy in the event of his death during the minority of the nominee.
2. Any such nomination in order to be effectual shall, unless it is incorporated in the text of the policy itself, be made by an endorsement on the policy communicated to the insurer and registered by him in the records relating to the policy and any such nomination may at any time before the policy matures for payment be cancelled or changed by an endorsement or a further endorsement or a will, as the case may be, but unless notice in writing of any such cancellation or change has been delivered to the insurer, the insurer shall not be liable for any payment under the policy made bona fide by him to a nominee mentioned in the text of the policy or registered in the records of the insurer.
3. The insurer shall furnish to the policy holder a written acknowledgement of having registered a nomination or a cancellation or change thereof, and may charge such fee as may be specified by regulations for registering such cancellation or change.
4. A transfer or assignment of a policy made in accordance with section 38 shall automatically cancel a nomination:  
Provided that the assignment of a policy to the insurer who bears the risk on the policy at the time of the assignment, in consideration of a loan granted by that insurer on the security of the policy within its surrender value, or its re-assignment on repayment of the loan shall not cancel a nomination, but shall affect the rights of the nominee only to the extent of the insurer's interest in the policy:  
Provided further that the transfer or assignment of a policy, whether wholly or in part, in consideration of a loan advanced by the transferee or assignee to the policyholder, shall not cancel the nomination but shall affect the rights of the nominee only to the extent of the interest of the transferee or assignee, as the case may be, in the policy:  
Provided also that the nomination, which has been automatically cancelled consequent upon the transfer or assignment, the same nomination shall stand automatically revived when the policy is reassigned by the assignee or retransferred by the transferee in favour of the policy-holder on repayment of loan other than on a security of policy to the insurer.
5. Where the policy matures for payment during the lifetime of the person whose life is insured or where the nominee or, if there are more nominees than one, all the nominees die before the policy matures for payment, the amount secured by the policy shall be payable to the policy-holder or his heirs or legal representatives or the holder of a succession certificate, as the case may be.
6. Where the nominee or if there are more nominees than one, a nominee or nominees survive the person whose life is insured, the amount secured by the policy shall be payable to such survivor or survivors.
7. Subject to the other provisions of this section, where the holder of a policy of insurance on his own life nominates his parents, or his spouse, or his children, or his spouse and children, or any of them, the nominee or nominees shall be



नामांकित करता है, उपधारा (6) के तहत नामिति या नामितियाँ उस राशि का / के लाभदायक रूप से अधिकारी होगा / होंगे जो बीमा कंपनी द्वारा उसे या उन्हें देय है जब तक कि यह प्रमाणित न किया जाए कि पॉलिसी के साथ अपने स्वत्व की प्रकृति को ध्यान में होने के कारण पॉलिसीधारक नामिति पर ऐसी लाभदायक स्वत्व प्रदान नहीं कर सकता होगा।

8. जैसा उक्त है उसके अधीन जहाँ नामिति, या यदि एक से अधिक नामिति हैं, एक नामिति या नामितियों की, जिन पर उपधारा (7) लागू होती है, जिस व्यक्ति का जीवन बीमाकृत है उसके बाद परन्तु पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि के भुगतान किए जाने से पहले मृत्यु हो जाए, पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि, या इस प्रकार मरने वाले नामिति या नामितियों के हिस्से को निरूपित करती हुई पॉलिसी द्वारा सुरक्षित वह राशि (जैसी स्थिति हो), नामिति या नामितियों के उत्तराधिकारियों या वैध प्रतिनिधियों को या एक उत्तराधिकार प्रमाणपत्रधारक, जैसी स्थिति हो, को देय होगी और वे इस राशि के लाभदायक रूप से अधिकारी होंगे।
9. उपधारा (7) और (8) में कुछ भी ऐसा परिचालित नहीं होगा, जो किसी भी ऋणदाता के जीवन बीमा की किसी भी पॉलिसी की आय से भुगतान किए जाने वाले अधिकार को नष्ट करे या बाधा डाले।
10. उपधारा (7) और (8) के प्रावधान बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 के शुरुआत के बाद भुगतान के लिए देय होने वाली जीवन बीमा की सभी पॉलिसियों पर लागू होंगे।
11. ऐसी स्थिति में जहाँ एक पॉलिसी-धारक की मृत्यु पॉलिसी के देय होने के बाद हो जाए परन्तु उसकी पॉलिसी की आय और लाभ उसकी मृत्यु के कारण उसे प्रदान नहीं किए गए हों, ऐसी स्थिति में, उसका नामिति उसकी पॉलिसी की आय और लाभों का अधिकारी होगा।
12. इस धारा के प्रावधान जीवन बीमा की किसी भी ऐसी पॉलिसी पर लागू नहीं होंगे जिस पर विवाहित महिला संपत्ति अधिनियम, 1874 लागू होता है या किसी भी समय लागू हो चुका है:  
  
बशर्ते कि जहाँ एक नामांकन, चाहे बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 की शुरुआत से पहले या बाद में किया गया हो, जिस व्यक्ति ने अपना जीवन बीमाकृत किया हो उसकी पत्नी के या उसकी पत्नी और संतानों के पक्ष में या इनमें से किसी के लिए भी व्यक्त किया गया हो, चाहे पॉलिसी में स्पष्ट हो या नहीं, जैसा इस धारा में व्यक्त किया जा रहा है, पॉलिसी पर उल्लेखित धारा 6 का लागू नहीं होना या नहीं हो चुका होगा माना जाएगा।

### परिशिष्ट – 3

#### नामांकन-बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा यथासंशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 45 के अनुसार

1. पॉलिसी की तिथि से तीन वर्षों की समाप्ति के पश्चात, अर्थात् पॉलिसी के जारी होने अथवा जोखिम प्रारंभ होने अथवा पॉलिसी पुनर्जिवित किये जाने अथवा पॉलिसी के राइडर लगने, इनमें से जो भी बाद में हुआ हो, जीवन बीमा की किसी भी पॉलिसी पर किसी भी आधार पर, कोई भी सवाल नहीं किया जा सकता है, गलतबयानी के आधार पर तीन सालों बाद पॉलिसी पर सवाल नहीं किया जा सकता है।
2. पॉलिसी की तिथि से तीन वर्षों की समाप्ति के भीतर, अर्थात् पॉलिसी के जारी होने अथवा जोखिम प्रारंभ होने अथवा पॉलिसी पुनर्जिवित किये जाने अथवा पॉलिसी के राइडर लगने, इनमें से जो भी बाद में हुआ हो, जीवन बीमा की किसी भी पॉलिसी पर धोखाधड़ी के आधार पर, कोई भी सवाल नहीं किया जा सकता है इसके लिए बीमा प्रदाता को बीमित व्यक्ति को या उसके कानूनी प्रतिनिधि को या नामांकित व्यक्तियों को या बीमित व्यक्ति के अभिहस्तांकितों को लिखित में इस निर्णय के आधार तथा तथ्यों के विषय में सूचना देनी आवश्यक होगी।  
  
स्पष्टीकरण ख. – इस उप-धारा के सम्बन्ध में, उक्ति धोखाधड़ी का अर्थ बीमा प्रदाता को धोखा देने के उद्देश्य से अथवा बीमा प्रदाता द्वारा जीवन बीमा पॉलिसी जारी करवा लिए जाने के उद्देश्य से बीमित व्यक्ति अथवा उसके प्रतिनिधि द्वारा किये गए निम्नांकित कृत्य सम्मिलित हैं:  
  
(अ) सुझाव, जो कि वास्तविक रूप से सत्य नहीं हों तथा जिसे बीमित व्यक्ति स्वयं सत्य न समझता हो;  
  
(ब) बीमित व्यक्ति द्वारा ऐसे तथ्य का सक्रिय रूप से छिपाया जाना जिस तथ्य का उसे ज्ञान अथवा विश्वास हो;  
  
(स) धोखा देने की नीयत से किया गया कोई और कृत्य; तथा  
  
(द) विधि द्वारा विशिष्ट रूप से धोखाधड़ी के रूप में घोषित कोई और कार्य या चूक

beneficially entitled to the amount payable by the insurer to him or them under sub-section (6) unless it is proved that the holder of the policy, having regard to the nature of his title to the policy, could not have conferred any such beneficial title on the nominee.

8. Subject as aforesaid, where the nominee, or if there are more nominees than one, a nominee or nominees, to whom sub-section (7) applies, die after the person whose life is insured but before the amount secured by the policy is paid, the amount secured by the policy, or so much of the amount secured by the policy as represents the share of the nominee or nominees so dying (as the case may be), shall be payable to the heirs or legal representatives of the nominee or nominees or the holder of a succession certificate, as the case may be, and they shall be beneficially entitled to such amount.
9. Nothing in sub-sections (7) and (8) shall operate to destroy or impede the right of any creditor to be paid out of the proceeds of any policy of life insurance.
10. The provisions of sub-sections (7) and (8) shall apply to all policies of life insurance maturing for payment after the commencement of the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015.
11. Where a policy-holder dies after the maturity of the policy but the proceeds and benefit of his policy has not been made to him because of his death, in such a case, his nominee shall be entitled to the proceeds and benefit of his policy.
12. The provisions of this section shall not apply to any policy of life insurance to which section 6 of the Married Women's Property Act, 1874, applies or has at any time applied:

Provided that where a nomination made whether before or after the commencement of the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015, in favour of the wife of the person who has insured his life or of his wife and children or any of them is expressed, whether or not on the face of the policy, as being made under this section, the said section 6 shall be deemed not to apply or not to have applied to the policy.

### Annexure – 3

#### Section 45 as per the Insurance Act 1938, as amended by the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015

1. No policy of life insurance shall be called in question on any ground whatsoever after the expiry of three years from the date of the policy, i.e. from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy, whichever is later.
2. A policy of life insurance may be called in question at any time within three years from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy, whichever is later on the ground of fraud:

Provided that the insurer shall have to communicate in writing to the insured or the legal representatives or nominees or assignees of the insured the grounds and materials on which such decision is based.

Explanation I: For the purposes of this sub-section, the expression "fraud" means any of the following acts committed by the insured or by his agent, with the intent to deceive the insurer or to induce the insurer to issue a life insurance policy:

- (a) the suggestion, as a fact of that which is not true and which the insured does not believe to be true;
- (b) the active concealment of a fact by the insured having knowledge or belief of the fact;
- (c) any other act fitted to deceive; and
- (d) any such act or omission as the law specially declares to be fraudulent.

Explanation II: Mere silence as to facts likely to affect the

स्पष्टीकरण II – बीमित व्यक्ति के द्वारा तथ्यों के विषय में मात्र चुप्पी, जिनसे जाखिम के आकलन के प्रभावित होने की संभावना हो, धोखाधड़ी नहीं मानी जाएगी जबतक कि वाद की परिस्थितियाँ ऐसी न हों कि बीमित व्यक्ति अथवा उसके प्रतिनिधि द्वारा मौन रहना ही बोलना माना जाये अथवा उसका मौन ही बोलने या व्यक्त करने के समकक्ष मान लिया जाये.

3. उप-धारा (2) में निहित किसी भी प्रावधान के बावजूद, कोई भी बीमा प्रदाता किसी जीवन बीमा पॉलिसी को धोखाधड़ी के आधार पर अस्वीकार नहीं कर सकेगा यदि बीमित व्यक्ति यह सिद्ध कर सके कि महत्वपूर्ण तथ्य का गलत बयान या छिपाव उसकी श्रेष्ठ जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य था अथवा बीमित व्यक्ति को ज्ञात जानकारी के अनुसार महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाने का उसका जानबूझकर कोई इरादा नहीं था:

यहाँ यह आवश्यक है कि पॉलिसी-धारक के जीवित न होने की स्थिति में, मिथ्या तथ्यों को नकारने की जिम्मेदारी लाभार्थियों के ऊपर है

स्पष्टीकरण – कोई व्यक्ति जो बीमा के अनुबंध को करवाने की इच्छा रखता है तथा इसके विषय में बातचीत करता है, उसे इस अनुबंध के होने की स्थिति में बीमा प्रदाता का प्रतिनिधि माना जायेगा.

4. पॉलिसी की तिथि से तीन वर्षों की समाप्ति के भीतर, अर्थात् पॉलिसी के जारी होने अथवा जोखिम प्रारंभ होने अथवा पॉलिसी पुनर्जीवित किये जाने अथवा पॉलिसी के राइडर लगने, इनमें से जो भी बाद में हुआ हो, जीवन बीमा की किसी भी पॉलिसी पर इस आधार पर सवाल किया जा सकता है कि प्रस्ताव अथवा किसी अन्य दस्तावेज में बीमित व्यक्ति के जीवन की प्रत्याशा से सम्बंधित महत्वपूर्ण तथ्यों को छुपाने का प्रयास किया गया है अथवा उन्हें गलत रूप से बताया गया है और जिस के आधार पर पॉलिसी निर्गत या पुनर्जीवित हुई है या राइडर प्रदान किया गया है.

यह आवश्यक है कि बीमा प्रदाता द्वारा बीमित व्यक्ति को या उसके कानूनी प्रतिनिधियों को या नामित व्यक्तियों या अभिहस्तांकितिकियों को लिखित में इस निर्णय के आधार तथा तथ्यों के विषय में सूचना प्रदान की जाये जिनके आधार पर जीवन बीमा पॉलिसी को अस्वीकार करने का निर्णय लिया जा रहा है

यह भी आवश्यक है कि महत्वपूर्ण तथ्यों को छुपाने के प्रयास अथवा उन्हें गलत रूप से व्यक्त करने के आधार पर, परन्तु धोखाधड़ी के आधार पर नहीं, पॉलिसी को अस्वीकार करने की दशा में पॉलिसी को अस्वीकार किये जाने की तिथि तक बीमा प्रदाता द्वारा एकत्रित पूर्ण प्रीमियम को अस्वीकार किये जाने की तिथि से नब्बे दिनों के भीतर बीमित व्यक्ति को या उसके कानूनी प्रतिनिधियों को या नामित व्यक्तियों या अभिहस्तांकितिकियों को वापस किया जाये

स्पष्टीकरण – इस उप-खंड हेतु तथ्यों को छुपाने का प्रयास अथवा उन्हें गलत रूप से व्यक्त करना तब तक महत्वपूर्ण नहीं समझा जायेगा जब तक कि इसका सीधा प्रभाव बीमा प्रदाता द्वारा किये जाने वाले जोखिम के आंकलन पर न पड़ता हो, यहाँ यह प्रदर्शित करने का उत्तरदायित्व बीमा-प्रदाता पर है कि यदि ये तथ्य उसे ज्ञात होते, तो वह बीमित व्यक्ति को कोई जीवन बीमा पॉलिसी निर्गत न करता.

5. इस खंड का कोई भी प्रावधान बीमा प्रदाता को किसी भी समय आयु प्रमाण-पत्र की मांग करने से नहीं रोकता, यदि वह इसका अधिकारी है तथा कोई भी पॉलिसी सिर्फ इसलिए पुनर्विचार के अंतर्गत नहीं मानी जा सकती कि प्रस्ताव में बीमित व्यक्ति की आयु गलत व्यक्त की गयी थी तथा आयु-प्रमाण पत्र के बाद शर्तों में उत्तरगामी परिवर्तन किये गए.

assessment of the risk by the insurer is not fraud, unless the circumstances of the case are such that regard being had to them, it is the duty of the insured or his agent, keeping silence to speak, or unless his silence is, in itself, equivalent to speak..

3. Notwithstanding anything contained in subsection (2), no insurer shall repudiate a life insurance policy on the ground of fraud if the insured can prove that the mis-statement of or suppression of a material fact was true to the best of his knowledge and belief or that there was no deliberate intention to suppress the fact or that such mis-statement of or suppression of a material fact are within the knowledge of the insurer:

Provided that in case of fraud, the onus of disproving lies upon the beneficiaries, in case the policyholder is not alive.

Explanation - A person who solicits and negotiates a contract of insurance shall be deemed for the purpose of the formation of the contract, to be the agent of the insurer.

4. A policy of life insurance may be called in question at any time within three years from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy, whichever is later, on the ground that any statement of or suppression of a fact material to the expectancy of the life of the insured was incorrectly made in the proposal or other document on the basis of which the policy was issued or revived or rider issued:

Provided that the insurer shall have to communicate in writing to the insured or the legal representatives or nominees or assignees of the insured the grounds and materials on which such decision to repudiate the policy of life insurance is based:

Provided further that in case of repudiation of the policy on the ground of misstatement or suppression of a material fact, and not on the ground of fraud, the premiums collected on the policy till the date of repudiation shall be paid to the insured or the legal representatives or nominees or assignees of the insured within a period of ninety days from the date of such repudiation.

Explanation - For the purpose of this sub-section, the mis-statement of or suppression of fact shall not be considered material unless it has a direct bearing on the risk undertaken by the insurer, the onus is on the insurer to show that had the insurer been aware of the said fact no life insurance policy would have been issued to the insured.

5. Nothing in this section shall prevent the insurer from calling for proof of age at any time if he is entitled to do so, and no policy shall be deemed to be called in question merely because the terms of the policy are adjusted on subsequent proof that the age of the life insured was incorrectly stated in the proposal.

**Guaranteed Surrender Value factors applicable to total premiums paid (In percentage)**

[illegible]

**Surrender Value factors applicable to vested bonus (in percentage)**

[illegible]

पृष्ठांकन हेतु स्थान  
SPACE FOR ENDORSEMENT



टिप्पणी: यदि आपको कोई शिकायत/पेशानी हो तो आप शिकायत निराकरण अधिकारी/लोकपाल से संपर्क कर सकते हैं जिनका पता नीचे दिया जा रहा है:  
**NOTE:** In case you have any Complaint/Grievance, you may approach Grievance Redressal Officer/Insurance Ombudsman whose address is as under:

शाखा कार्यालय का पता Address of Branch Office	शिकायत निराकरण अधिकारी का पता Address of Grievance Redressal Officer	लोकपाल का पता Address of Insurance Ombudsman
<div></div>	<div></div>	<div></div>

टिप्पणी: इन निबंधनों तथा शर्तों और विशेष प्रावधानों/शर्तों की व्याख्या के संबंध में कोई विवाद होने पर अंग्रेजी भाष्य विधिमान्य होगा।  
**NOTE:** In case of dispute in respect of interpretation of these terms and conditions and special provisions/conditions the English version shall stand valid.

आपसे अनुरोध है कि इस पॉलिसी की जाँच कर लें और यदि कोई गलती दिखाई दे तो सुधारने के लिए इसे तुरंत लौटा दें.

**YOU ARE REQUESTED TO EXAMINE THIS POLICY, AND IF ANY MISTAKE BE FOUND THEREIN, RETURN IT IMMEDIATELY FOR CORRECTION.**

आई आर डी ए आई पंजीकरण संख्या: 512  
IRDAI Regn. No.: 512